आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 08 जनवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 63

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

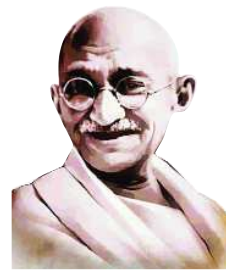

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

प्रदेश में ठंड का डबल अटैक

पेज-2

स्टार प्लस का नया शो 'तोड़ कर दिल मेरा'

पेज-5

आजाद नगर में नलों से निकल रहे कीड़े

पेज-6

लगभग दो माह बाद भी अध्यक्षों ने घोषित नहीं की नई टीम

भाजपा-कांग्रेस के 'युवा' टीम बनाने में पिछड़े

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल/इंदौर • भाजपा और कांग्रेस अभी से चुनावी मोड में आ गए हैं। अपना-अपना जनाधार बढ़ाने के लिए दोनों पार्टियों के नेता लगातार सक्रियता बढ़ा रहे हैं। लेकिन विडंबना यह है कि दोनों पार्टियों का यूथ संगठन अपनी टीम का गठन नहीं कर पाए हैं। दोनों पार्टियों के यूथ संगठन भाजपा का भारतीय जनता युवा मोर्चा और कांग्रेस का युवक कांग्रेस के अध्यक्षों की नियुक्ति डेढ़-दो माह पहले हो गई है, लेकिन वे अभी तक अपनी टीम का गठन नहीं कर पाए हैं। इसका असर यह देखने को मिल रहा है कि दोनों पार्टियों के नेता अपनी सक्रियता नहीं बढ़ा पा रहे हैं।

मप्र की राजनीति में जेन-जी की दिलचस्पी बढ़ रही है। ऐसे में युवाओं का बड़ा महत्व है। इसके लिए भाजपा ने भारतीय जनता युवा मोर्चा और कांग्रेस ने युवक कांग्रेस बनाया है। दोनों पार्टियों की राजनीति करने वाले युवाओं के लिए ये संगठन पाठशाला हैं। दोनों संगठनों ने अपनी-अपनी पार्टी को बड़े-बड़े नेता दिए हैं। इसलिए इनका महत्व काफी है। लेकिन विडंबना यह है कि दोनों संगठनों के अध्यक्षों ने अभी तक अपनी प्रदेश इकाई का गठन नहीं किया है।

भाजयुमो में 18 से 25 आयु वालों को प्रतिनिधित्व

भाजपा संगठन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का बड़ा महत्व है। ऐसे में भाजपा संगठन मप्र में पार्टी के युवा मोर्चा में 18 से 25 वर्ष तक के युवाओं को भी प्रतिनिधित्व देने पर विचार कर रहा है। इसके साथ ही युवा मोर्चा टीम में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर भी विचार चल रहा है। युवा मोर्चा की नई टीम जनवरी के अंत तक सामने आ सकती है। युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष के पद पर श्याम टेलर की नियुक्ति 22 नवंबर

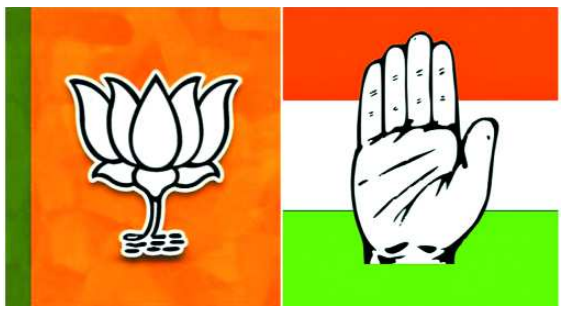

को हुई थी, तब से लगभग डेढ़ माह का वक्त बीत चुका है। नई टीम के गठन को लेकर टेलर का कहना है कि यह निर्णय पार्टी संगठन लेगा। टेलर का कहना है कि भाजपा में सामूहिक नेतृत्व के आधार पर निर्णय लेने की परंपरा है, इसलिए मैं अपने स्तर पर यह तय नहीं कर सकता है कि नई टीम कब तक बन जाएगी और इसमें किन-किन लोगों को मौका मिलेगा। लेकिन, इतना तय है कि युवा मोर्चा की नई टीम सर्व-स्पर्शी और सर्वसमावेशी होगी। हर उम्र, हर क्षेत्र, हर जाति-वर्ग को नई टीम में जगह मिलेगी। भाजपा सूत्रों के मुताबिक युवा मोर्चा में प्रमुख जिम्मेदारियां अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से निकले कार्यकर्ताओं को मिलती आई हैं। इस बार भी एबीवीपी में अच्छा काम करने वाले सक्रिय कार्यकर्ताओं को युवा मोर्चा में जगह मिलेगी। वहीं इस संबंध में टेलर ने कहा कि एबीवीपी कार्यकर्ता निर्माण की भट्टी है, लेकिन पार्टी की ओर से युवा मोर्चा को इस बार अभी तक कोई गाइडलाइन नहीं दी है। जहां तक जेन-जी की बात है तो नई पीढ़ी के युवाओं को मोर्चा में जरूर जगह दी जाएगी।

युका में परफॉर्मेंस के आधार नियुक्ति

कांग्रेस में काफी खींचतान के बाद यश घनघोरिया यूथ कांग्रेस के नए अध्यक्ष बने हैं। मप्र युवा कांग्रेस में चुनाव की प्रक्रिया पूरी हुए 2 माह बीत चुके हैं। नई कार्यकारिणी का चुनाव भी नवंबर में ही पूरा हो गया। निर्वाचन के जरिए यूथ कांग्रेस के 147 पदाधिकारी चुने गए थे। इनमें 12 उपाध्यक्ष, 48 महासचिव, 60 सचिव समेत अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। मप्र युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष यश घनघोरिया का कहना है कि अभी सिर्फ दो माह हुए हैं और तीन महीने तक सभी निर्वाचित पदाधिकारियों का जमीनी स्तर पर काम देखा जाएगा, उसके बाद परफॉर्मेंस के आधार पर उन्हें प्रमोट कर नई कार्यकारिणी गठित करेंगे। नई कार्यकारिणी में 18 से 35 वर्ष तक के युवाओं का निर्वाचन हुआ था। घनघोरिया के मुताबिक नई गठित होने वाली कार्यकारिणी में कम उम्र के युवाओं को तवज्जो दी जाएगी। वहीं कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक युवक कांग्रेस में जमकर गुटबाजी हो रही है, निर्वाचन प्रक्रिया के बाद अब तक हुई यूथ कांग्रेस की दो बैठकों में इसका असर भी देखने को मिला। युवक कांग्रेस को अभी पंचायत चलो अभियान की जिम्मेदारी मिली है, लेकिन इसमें आधी टीम काम नहीं कर रही है। हाल यह है कि अब हुई दो रिव्यू बैठक में कई पदाधिकारी नदारद रहे। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के बेटे और विधायक जयवर्धन सिंह को युवक कांग्रेस का प्रभारी बनाया गया है, लेकिन अभी तक वे एक बार भी यूथ कांग्रेस की बैठक में नजर नहीं आए। यहां तक कि जब युवक कांग्रेस के अध्यक्ष का शपथ ग्रहण समारोह हुआ, तब भी जयवर्धन नहीं थे और गतदिनों हुई युवक कांग्रेस की रिव्यू मीटिंग में भी जयवर्धन नहीं पहुंचे थे।

न्यूज ब्रीफ

- सुकेश चंद्रशेखर की 217 करोड़ लौटाने की अर्जी, 16 जनवरी को पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई
- यमन के अलगाववादी नेता ऐदरोस अल-जुबैदी यूएई पहुंचे
- हर्ष संघवी ने सोमनाथ स्वाभिमान महोत्सव में की शिरकत, सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना
- दिल्ली : तुर्कमान गेट उपद्रव मामले में बड़ी कार्रवाई, करीब 30 पत्थरबाजों की हुई पहचान
- महाराष्ट्र : अंबरनाथ में कांग्रेस के 12 पार्षद बीजेपी में शामिल
- बवाना में एनकाउंटर, दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की कार्रवाई में राजेश बवानिया गैंग का बदमाश घायल
- संभल : हरिहर मंदिर बनाम जामा मस्जिद विवाद पर आज सुनवाई, चन्दौसी कोर्ट में पेश होंगे सभी पक्ष
- दिल्ली के गाजीपुर पेपर मार्केट में एनकाउंटर, हाशिम बाबा गैंग के दो बदमाश हुए गिरफ्तार
- निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने वाले अमेरिकी हमले से 100 की मौत, वेनेजुएला के गृहमंत्री का दावा
- इंडिया की अगुवाई वाले सोलर अलायंस से अलग हुआ अमेरिका
- अमेरिका ने भारत के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल सोलर एलायंस से किया बाहर निकलने का फैसला
- कैपिटल हिल पर भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा ने यूएस हाउस स्पीकर से की बातचीत
- कोलकाता : बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा आज बंगाल के दौरे पर रहेंगे
- सोनम वांगचुक की हिरासत मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई
- 'भारत में टी20 वर्ल्ड कप नहीं खेलेंगे', बोले बांग्लादेश के खेल मंत्री।
- नई दिल्ली : गृह मंत्री अमित शाह आज जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा बैठक करेंगे
- कोलंबिया के राष्ट्रपति ने ट्रंप को किया फोन, ड्रग्स और मतभेदों पर हुई बात

आरएसएस दफ्तर में प्रांत प्रचारक के साथ महापौर और कलेक्टर की बैठक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर भागीरथपुरा में गंदे पानी के कांड के बाद बिगड़े हालत को सुधारने के लिए अब राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) आगे आया है। बुधवार रात को रामबाग स्थित आरएसएस दफ्तर में इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव और इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा पहुंचे। यहां करीब एक घंटे तक बंद कमरे में मालवा प्रांत प्रचारक राजमोहन के साथ बैठक हुई। बैठक में नए निगमायुक्त क्षितिज सिंघल नहीं थे।

प्रांत पचारक ने सुनी दोनों की बात

बैठक में प्रांत प्रचारक राजमोहन ने इंदौर में हुई घटना को लेकर महापौर और कलेक्टर से पूरी जानकारी ली। इसमें अधिकारियों से तालमेल वाली बात भी उठी। साथ ही आगे इंदौर की छवि और हालत सुधारने को लेकर काफी बात हुई और इसके लिए जरूरी सुझाव दिए गए। मुख्य चिंता बीमार लोगों को बेहतर उपचार, आगे स्थिति ठीक करने पर था।

इसके साथ ही इस बात पर फोकस रहा कि अब इंदौर शहर की छवि को ठीक करना है। पहली प्राथमिकता कि भागीरथपुरा की स्थिति ठीक किया जाए और जरूरतमंद तक पहुंचा जाए। उपचार में किसी तरह की कोताही नहीं हो।

आगे भविष्य में भी इस तरह की कोई बात नहीं हो और तालमेल की कमी की बात नहीं उठे, इस बात पर भी ध्यान रखा जाए। सभी अधिकारी भी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की बातों को सुने और उनके साथ तालमेल बैठाते हुए काम करें।

इसके पहले संगठन महामंत्री ले चुके बैठक

इसके पहले बीजेपी भी इस मामले में एक्शन मोड में आ चुकी है। संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा इंदौर में बंद कमरे में महापौर के साथ ही एरिया पार्षद कमल वाघेला, एमआईसी मेंबर बबलू शर्मा, प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे शामिल थे। इसमें हितानंद ने हिदायत दी कि सभी तालमेल से काम करें और बेवजह की बयानबाजी से दूर रहें। वहीं नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी दिल्ली जा चुके हैं और हाईकमान के आदेश के बाद अब सभी नेताओं की बयानबाजी पर रोक लग चुकी है।

प्रदेश के सरकारी कार्यालय में फाइव डे वीक रहेगा, लेकिन सुबह दस बजे ही आना होगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • प्रदेश के शासकीय कार्यालय अब सुबह दस बजे अनिवार्य रूप से प्रारंभ होंगे और शाम 6 बजे तक कामकाज होगा। इसके साथ ही दोपहर डेढ़ से दो बजे तक लंच का समय मिलेगा। वरिष्ठ अधिकारियों को समय पर ऑफिस आना जरूरी होगा। इस संबंध में निर्देश बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिए हैं। सीएम ने कहा कि उपस्थिति दर्ज करने के लिए जितनी जल्द हो सके बायोमेट्रिक सहित अन्य तकनीकी प्रणालियों का सहारा लिया जाए। कोविड काल से प्रदेश में 5 दिवसीय सप्ताह की व्यवस्था लागू है। इसे लागू करने के लिए कार्यालयीन समय को बढ़ाना और सभी के द्वारा उसका

अनुसरण आवश्यक है। गौरतलब है कि अमेरिका में फुल टाइम वर्कर्स को 40 घंटे प्रति सप्ताह काम करना होता है इसमें लंच टाइम शामिल नहीं है।

इसलिए सीएम ने दिए कड़े निर्देश

मुख्य सचिव पिछले काफी समय से इस प्रयास में थे कि शासकीय कार्यालय छह दिन संचालित हों यानि शनिवार का अवकाश समाप्त कर दिया जाए। इसके लिए एक अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में करीब तीन सप्ताह पहले एक कमेटी भी बनाई गई। लेकिन, सीएस के इस प्रस्ताव पर एक एसीएस सहमत नहीं हुए और उन्होंने तर्क दिया कि कई बार अवकाश के दिन भी कार्य करना होता है। कार्यालयों में देर शाम तक अफसर बैठते हैं। काम के बोझ को देखते हुए सरकारी दफ्तर पांच दिन ही संचालित हों।

सड़क पर फैले चाइनीज मांझे से कटा ज्वेलरी विक्रेता का गला

तीन ऑपरेशन के बाद बची जान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • जिले में चाइनीज मांझे की लापरवाही एक बार फिर जानलेवा साबित होते-होते रह गई। प्रतिबंध के बावजूद खुलेआम बिक रहे चाइनीज मांझे ने एक मेहनतकश परिवार की जिंदगी को झकझोर कर रख दिया। बेनटेक्स ज्वेलरी बेचकर परिवार का पालन-पोषण करने वाले रामगिरी गोस्वामी चाइनीज मांझे की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनका गला इतनी बुरी तरह कट गया कि आहार नली तक दिखाई देने लगी। समय रहते इलाज और पत्नी की सूझबूझ से उनकी जान बच सकी।

यह दर्दनाक घटना 2 जनवरी की है। रामगिरी गोस्वामी अपनी पत्नी के साथ चांद, बीसापुर कला और लिंगा होते हुए छिंदवाड़ा लौट रहे थे। रोजमर्रा की तरह वे काम निपटाकर घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान चंदन गांव स्थित शराब भट्टी के पास सड़क पर फैला चाइनीज मांझा अचानक उनके गले में लिपट गया। तेज धारदार मांझे ने पल भर में उनका गला चीर दिया और बाइक पर ही खून बहने लगा। मांझा लगते ही रामगिरी दर्द से कराह उठे और संतुलन बिगड़ गया। गले से तेजी से खून बहने लगा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सड़क से गुजर रहे लोगों ने भी यह मंजर देखा, लेकिन किसी को समझ नहीं आया कि तुरंत क्या किया जाए।

पानी का दुष्परिणाम लोग पलायन को मजबूर

इंदौर में हेपेटाइटिस का शिकार होने पर लौट रहे छात्र

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • दूषित पानी से भागीरथपुरा में 18 मौतों ने इंदौर के लोगों को तो डरा ही दिया है। दूसरे शहरों से आकर इंदौर में पढ़ और काम कर रहे लोगों ने पलायन शुरू कर दिया है। छोटी-छोटी बीमारी पर लोग इंदौर छोड़ अपने घर लौटने लगे हैं। लगातार हो रही मौतों की खबर सुनकर छात्रों ने माता-पिता ने चिंता जताते हुए उन्हें वापस बुलाना शुरू कर दिया है। वही, इंदौर की बस्तियों में अचानक आरओ और वाटर फिल्टर की डिमांड बढ़ गई है। दूषित पानी का दुष्परिणाम देख, लोगों ने नगर निगम के टैंकरों और बोरिंग के पानी का इस्तेमाल रोक दिया है। इंदौर में सरकारी और प्रायवेट नौकरियों में जहां हजारों की संख्या में बाहरी लोग कार्यरत हैं तो विभिन्न पाठ्यक्रम कर रहे

छात्र-छात्राओं का आंकड़ा लाखों में है। भागीरथपुरा में दूषित पानी से एक के बाद एक अब तक 18 मौतों ने इन बाहरी लोगों के परिजनों को चिंता में डाल दिया है। परिणाम स्वरूप अब किसी को सर्दी-जुकाम भी हो रहा है तो माता पिता सभी को घर बुला रहे हैं। बीते पखवाड़े में इंदौर छोडक़र अपने घर लौटने वालों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। छोटी-छोटी बीमारी की वजह इंदौर के पानी को मानते हुए छात्र-छात्राएं घर लौटना पसंद कर रहे हैं। हालांकि अभी तक जितने भी लोग दूषित पानी से बीमार होई है अथवा दिवंगत हुए हैं, वे सभी इंदौर के ही रहने वाले बताए जा रहे हैं। मगर दूसरे शहरों से आकर इंदौर में रहने वाले कई छात्र और कामकाजी लोग भी इस गंदे पानी का शिकार हो रहे हैं। इनकी बीमारी का पता भी अपने घर जाकर लग रहा है।

भागीरथपुरा में नलों से दूषित पानी सप्लाई होने के बाद लोग बोरिंग पर आश्रित हो गए थे। मगर अब बोरिंग का पानी भी दूषित मिला है। मामला सामने आने के बाद शहर में बोरिंग के पानी के सैंपल लिये गए थे। इनमें से 35 सैंपल फेल हो गए हैं। इलाके के 516 बोरिंग के पानी के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है।

आरओ की मांग में अचानक उछाल

दूषित पानी से फैल रही बीमारियों ने व्यापारियों की चांदी कर दी है। इंदौर में वाटर फिल्टर, यूवी और आरओ की मांग अचानक बढ़ गई है। हर बस्ती में आरओ और वाटर प्यूरीफायर बेचने वाली कंपनियों ने कैंप लगा लिये हैं तो उनके एक्जीक्यूटिव्स घर-घर पहुंचकर आरओ और फिल्टर की खूबियां बताते हुए भागीरथपुरा में सप्लाई हुए पानी को भी साफ करने का दंभ भरते हुए अपना प्रचार कर रहे हैं।

वंदे मातरम ट्रेनों में अब खाना फल-सब्जियों के छिलकों से बनी थालियों में परोसा जाएगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश और भोपाल रेल मंडल से गुजरने वाली वंदे मातरम जैसी आधुनिक ट्रेनों में अब यात्रियों को पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिहाज से सुरक्षित व्यवस्था मिलने जा रही है।आईआरसीटीसी ने प्लास्टिक थालियों को हटाकर फल-सब्जियों के छिलकों, कागज और अन्य प्राकृतिक तत्वों से बनी बायोडिग्रेडेबल थालियों में भोजन परोसने का निर्णय लिया है। इस कदम से प्लास्टिक के कारण होने वाली कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी कम करने में मदद मिलेगी।

विशेषज्ञों के अनुसार, प्लास्टिक की थालियों में गर्म भोजन परोसने से कई बार हानिकारक रसायन भोजन में घुल जाते हैं। लंबे समय तक ऐसे भोजन के सेवन से हार्मोन असंतुलन, इम्यून सिस्टम पर असर और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। रेलवे का मानना है कि बायोडिग्रेडेबल थालियों के इस्तेमाल से यह जोखिम खत्म हो जाएगा। आईआरसीटीसी के पीआरओ एके सिंह के मुताबिक, प्लास्टिक समय के साथ टूटकर माइक्रोप्लास्टिक में बदल जाता है, जो पानी, मिट्टी और भोजन के जरिए मानव शरीर में प्रवेश कर जाता है। यही माइक्रोप्लास्टिक कई गंभीर बीमारियों की जड़ माना जाता है। इसके विपरीत फल-सब्जियों के छिलकों से बनी थालियां 3 से 6 महीने में मिट्टी में मिल जाती हैं और किसी तरह का जहरीला अवशेष नहीं छोड़तीं। इन थालियों के निर्माण और निस्तारण में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम होता है, जिससे पर्यावरण पर दबाव घटता है। साथ ही, प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण और उससे जुड़ी बीमारियों पर भी रोक लगेगी। अधिकारियों के अनुसार, योजना से जुड़े टेंडर की प्रक्रिया चल रही है और बीते डेढ़ साल से इसका परीक्षण किया जा रहा था। मार्च से इसे औपचारिक रूप से वंदे भारत, शताब्दी और बेंगलुरु राजधानी एक्सप्रेस में लागू किया जाएगा। इससे हर महीने करीब 50 हजार एल्युमिनियम थालियों की खपत खत्म होगी और 300 किलो से ज्यादा प्लास्टिक कचरा कम किया जा सकेगा।

रेलवे का प्लास्टिक-फ्री मिशन

भोपाल रेल मंडल के सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि आईआरसीटीसी ने जन आहार और फूड प्लाजा संचालकों को भी पर्यावरण-अनुकूल सामग्री अपनाने के निर्देश दिए हैं। रेलवे पहले ही प्लास्टिक कप और थैलियों पर रोक लगा चुका है, अब यह कदम उस मुहिम को और मजबूत करेगा।

न्यूज ब्रीफ

दूषित जल कांड में दोषी तुरंत दे इस्तीफा-यादव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● समाजवादी पार्टी की महानगर अध्यक्ष सुषमा यादव ने भागीरथ पूरा में हुए दूषित जल कांड की निंदा की इंदौर समाजवादी पार्टी की महानगर अध्यक्ष सुषमा यादव ने भागीरथपुरा में हुए दूषित जल कांड की निंदा की वह शासन प्रशासन को चेतावनी देते हुआ कहां की दोषी अधिकारियों पर तुरंत कार्रवाई की जाए वह दूषित जल कांड में दोषी लोगों के तुरंत इस्तीफा की मांग की

मूकमाटी एक्सप्रेस' के नाम से जानी जाएंगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जैन समाज से राज्यसभा सांसद नवीन जैन आगरा के अथक प्रयासों से रायपुर जबलपुर एक्सप्रेस ट्रेन का नाम 'मूकमाटी एक्सप्रेस' रखने का आदेश भारतीय रेल मंत्रालय जारी किया गया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि नवीन जैन राज्यसभा सांसद आगरा ने अश्विनी वैष्णव माननीय रेल मंत्री, भारत सरकार को एक मांग पत्र सौंपते हुए निवेदन किया कि जैन संप्रदाय के महामहिम संत आचार्य श्री विद्यासागर जी मात्र जैनों के नहीं जन-जन के महामहिम संत हैं। सभी संप्रदाय धर्म-जाति वर्ग की आस्था एवं विश्वास के केन्द्र हैं । आचार्य श्री विद्यासागर जी उन्होंने 'इंडिया नहीं, भारत बोलो' का आह्वान कर स्वदेशी और भारतीय संस्कृति को जन जन अपनाये पर जोर दिया।

10 में से 7 भारतीयों ने माना कि कैलिफ़ोर्निया बादाम वज़न प्रबंधन में सहायक हैं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नए साल की शुरुआत हो चुकी है और अब स्वास्थ्य के लक्ष्य सबसे ज्यादा ध्यान में हैं। इस समय, वजन पर नियंत्रण रखना अक्सर लोगों के नए साल के संकल्पों में सबसे ऊपर होता है। जैसे-जैसे लोग अपनी दिनचर्या को फिर से व्यवस्थित करते हैं और खुद को लंबे समय तक फिट और ऊर्जावान महसूस करने के स्थायी तरीके खोजते हैं, सजग भोजन और संतुलित आहार का महत्व और बढ़ जाता है। इस बदलाव को दर्शाते हुए, कैलिफ़ोर्निया आल्मंड बोर्ड के सहयोग से किए गए नए YOUGOV सर्वे से पता चलता है कि भारतीय उपभोक्ता अब धीरे-धीरे स्वास्थ्यपूर्ण विकल्प अपनाना अधिक पसंद कर रहे हैं। इसमें नियमित व्यायाम करना और ऐसे पोषक तत्वों से भरपूर भोजन चुनना शामिल है, जो रोज़मर्रा की भलाई और स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं।

कृषि प्रदर्शनी का भव्य आयोजन 9 से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने और उनकी आय में वृद्धि के उद्देश्य से आगामी दिनों में 'भारत एग्री टेक कृषि प्रदर्शनी' का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी दिनांक 9, 10 और 11 जनवरी 2026 को कृषि महाविद्यालय मैदान, इंदौर में आयोजित होगी। प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक आगंतुकों के लिए खुली रहेगी। कार्यक्रम में देश-भर की कृषि मशीनरी, उन्नत बीज, फर्टिलाइज़र, ड्रिप-इरिगेशन, ऑर्गेनिक फार्मिंग, डेयरी, बागवानी तथा एग्री-स्टार्टअप्स से जुड़ी अग्रणी कंपनियाँ भाग लेंगी। किसानों को विशेषज्ञों के साथ संवाद, तकनीकी मार्गदर्शन तथा डेमो देखने का अवसर मिलेगा।

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने सबका ध्यान खींचा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● यह टूर जयपुर में मोटरकोर के शानदार प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ, जो फैशन की नई दिशा का संकेत था। ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने जयपुर में अपनी रफ्तार बढ़ाई और हाई फैशन और मोटरस्पोर्ट को एक साथ लाकर फैशन का नेक्स्ट मूव दिखाया। डिजाइनर नम्रता जोशीपुरा और अभिषेक पाटनी ने रेसिंग से प्रेरित बोल्ड सिल्हूट्स के जरिए मोटरकोर के सौंदर्यशास्त्र को नया रूप दिया।

डीसीपी ट्रैफिक्च ने ली चालकों की बैठक, दो दिनों के भीतर शहर में विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे

ई-रिक्शा संचालन के लिए शहर को सात सेक्टरों में बांटा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस बड़ी पहल की है। अब शहर में ई-रिक्शा का संचालन निर्धारित 7 सेक्टरों के आधार पर होगा। व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम पलासिया में डीसीपी ट्रैफिक आनंद कलादमी ने ई-रिक्शा चालकों और उनके प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। डीसीपी आनंद कलादगी ने बताया कि शहर को 7 सेक्टरों में बांटा गया है, जिनमें प्रत्येक के लिए अलग कलर कोडिंग निर्धारित की गई है। प्रत्येक ई-रिक्शा पर आगे और पीछे विशेष स्टीकर लगाए जाएंगे। इस स्टीकर पर सेक्टर का नाम, सीरियल नंबर और वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर दर्ज होगा। इस से जहां सवारियों को रिक्शा पहचानने में आसानी

कलर कोडिंग और विशेष स्टीकर से होगी पहचान

होगी वहीं पुलिस के लिए भी निगरानी रखना सरल होगा।

5 स्थानों पर लगेंगे पंजीयन कैंप: सेक्टर वितरण की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस द्वारा आगामी दो दिनों के भीतर शहर में विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। ई-रिक्शा चालक अपने वैध दस्तावेज दिखाकर यहां पंजीयन करा सकते है। ये स्थान हैं यातायात थाना पूर्व एमटीएच कंपाउंड, यातायात नियंत्रण कक्ष पश्चिम (महूनाका), एसीपी ट्रैफिक जोन-1 कार्यालय (मल्हारगंज), डीसीपी ट्रैफिक कार्यालय (पलासिया) और एसीपी ट्रैफिक जोन-2 कार्यालय (पिपलियाहाना)

चिन्हित होंगे ई-रिक्शा स्टैंड: अक्सर देखा जाता है कि ई-रिक्शा चालक बीच सड़क पर सवारी उतारते-बिठाते हैं, जिससे जाम लगता है। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि अब शहर के प्रमुख स्थानों पर ई-रिक्शा स्टैंड चिन्हित किए जाएंगे। इससे न केवल जाम से मुक्ति मिलेगी, बल्कि चालकों को भी एक व्यवस्थित जगह मिलेगी।

चालकों को मिला आश्वासन

बैठक में उपस्थित 100 से अधिक ई-रिक्शा चालक मौजूद थे। अधिकारियों ने कहा कि इस व्यवस्था से चालकों को प्रत्यक्ष लाभ होगा, वहीं सेक्टर सिस्टम से संतुलित प्रतिस्पर्धा से आय में भी स्थिरता आएगी। भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर इन मार्गों में सुधार भी किया जा सकेगा। इस बैठक में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नरेश कुमार अन्नोटिया, संतोष कुमार कौल और यातायात विभाग के सभी सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) व निरीक्षक मौजूद रहे।

ये रहेंगे सात सेक्टर

सेक्टर 01 : मच्छी बाजार, चोइथराम मंडी, भंवरकुआं, आईटी पार्क और खंडवा रोड क्षेत्र।

सेक्टर 02 : पंढरीनाथ, हरसिद्धि महूनाका, अन्नपूर्णा रोड, राजेंद्र नगर, राऊ और चंदन नगर रिंग रोड।

सेक्टर 03 : राजबाड़ा, जवाहर मार्ग, बड़ा गणपति, एयरपोर्ट रोड, गंगवाल बस स्टैंड।

सेक्टर 04 : मरीमाता चौराहा, बाणगंगा, लवकुश चौराहा, परदेशीपुरा और विजय नगर (बापट)।

सेक्टर 05 : विजयनगर, देवास नाका, रेडिसन, खजराना और रोबोट चौराहा।

सेक्टर 06 : पलासिया, साकेत, बंगाली चौराहा, कनाड़िया रोड और रेलवे स्टेशन (छोटी लाइन)।

सेक्टर 07 : सरवटे बस स्टैंड, नवलखा, मूसाखेड़ी, आजाद नगर और बिचौली मर्दना।

रिकॉर्डिंग के लिए कार्यमुक्त करने का प्राचार्य को निर्देश

फर्स्ट इयर के लिए करेंगे ई-कंटेंट का निर्माण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलसचिव, संबंधित शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय और निजी अशासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य को ई-कंटेंट क्रिएटर को ई कंटेंट प्रेक्टिस, रिकॉर्डिंग के लिए कार्यमुक्त करने का निर्देश दिया है। मप्र उच्च शिक्षा विभाग के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी ने पत्र जारी करते हुए कहा है कि एनईपी 2020 विद्यार्थियों के समग्र विकास व दूरस्थ अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्ध सुनिश्चित करने व टीचिंग लर्निंग प्रक्रिया में सुधार के लिए डिजिटल लर्निंग को प्रोत्साहित करती है। इसी अनुक्रम में प्रदेश के संभागीय मुख्यालय में स्थापित डिजिटल स्टूडियों के माध्यम से यूजी फर्स्ट इयर के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों के ई-कंटेंट का निर्माण किया जाना है।

आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूची में दिए गए ई-कंटेंट क्रिएटर उनके विषय से संबंधित पीपीटी तैयार कर नाम के सामने निर्धारित तारीख को निर्धारित स्टूडियो में प्रेक्टिस, रिकॉर्डिंग के लिए अनिवार्य रुप से उपस्थित हो। इसके लिए प्राचार्यों से कहा गया है कि उनकी संस्था में पदस्थ ई-कंटेंट क्रिएटर को तय तारीख व तय स्टूडियों में प्रेक्टिस, रिकॉर्डिंग के लिए कार्यमुक्त करते हुए उनकी उपस्थिति सुनिश्चत की जाए।

बिना लाइसेंस के संचालित पानी की फैक्ट्री में खाद्य कारोबार कराया गया बंद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इंदौर में फूड एंड ड्रग लैब के उद्घाटन अवसर पर मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। उन्हीं निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में दल द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए आज ट्रांसपोर्ट नगर स्थित मैकेनिक नगर क्षेत्र पर त्रिवेंटा इंटरप्राइजेस की जांच की गई। मौके पर पानी का ट्रीटमेंट एवं पैकेज ड्रिंकिंग वाटर बनाना जाना पाया गया। मौके पर बिना लाइसेंस के पानी के बोतलों का निर्माण किया जा रहा था। मौके पर पानी के नमूने लिए गए एवं उक्त फर्म को लाइसेंस लिए जाने तक कारोबार को बंद कराया गया। मौके पर पेस्ट कंट्रोल सर्टिफिकेट,पानी की जांच रिपोर्ट इत्यादि नहीं पाई गई, न ही वॉटर ट्रीटमेंट संबंधी कोई दस्तावेज मौके पर प्रस्तुत किए गए। मौके पर 57 हजार 650 रूपये का पैकेज ड्रिंकिंग वॉटर सील किया गया।

31 मार्च तक वाहन कर बकाया पर 90 प्रतिशत छूट, अधिकृत सेंटर से स्क्रैप कराने पर मिलेगा बड़ा लाभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश परिवहन विभाग ने वाहन स्वामियों को बड़ी राहत देते हुए मोटरयान कर एवं पेनाल्टी के बकाया भुगतान पर 90 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की है। यह छूट मध्य प्रदेश शासन, परिवहन विभाग, की अधिसूचना दिनांक 12 अगस्त 2025 के तहत दी जा रही है। परिवहन विभाग द्वारा राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में मोटरयान कर बकायादारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का अभियान भी शुरू किया जा रहा है। विभाग ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे इस एकमुश्त जमा योजना का लाभ उठाकर बकायादारों की सूची से नाम हटवाएं और स्क्रैपिंग के बाद नया वाहन खरीदने पर दोहरा लाभ प्राप्त करें।

एआरटीओ सुश्री अर्चना मिश्रा ने बताया कि यह योजना विशेष रूप से उन वाहन स्वामियों के लिए फायदेमंद है, जिन पर लंबे समय से मोटरयान कर बकाया चला आ रहा है। योजना के माध्यम से न केवल भारी छूट मिल रही है, बल्कि पुराने और अनुपयोगी वाहनों से भी छुटकारा पाया जा सकता है। कई वाहन स्वामी इस योजना का लाभ लेना शुरू कर चुके हैं। आग्रह किया गया है कि ऐसे सभी वाहन स्वामी जिनके वाहनों पर मोटरयान कर अथवा शास्ति बकाया है, वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर इस योजना का लाभ अवश्य उठाएं। इसके आदेश के अनुसार राज्य में पंजीकृत किसी भी प्रवर्ग और किसी भी आयु-सीमा के ऐसे मोटरयान, जिन पर मोटरयान कर और पेनाल्टी शास्ति की राशि बकाया है, यदि उन्हें मध्य प्रदेश की किसी प्राधिकृत पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा (RVSF) के माध्यम से स्क्रैप कराया जाता है और 31 मार्च 2026 तक एकमुश्त भुगतान किया जाता है, तो बकाया राशि पर 90 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही वाहन स्क्रैप कराने पर प्राप्त Certificate of Deposit सीओडी के आधार पर यदि नया वाहन खरीदा जाता है और उसका पंजीयन कराया जाता है, तो देय मोटरयान कर एवं शुल्क में भी छूट का लाभ लिया जा सकेगा।

सोशल मीडिया के माध्यम से साम्प्रदायिक, सामाजिक व जातिगत भावनाओं को भड़काने वालों के विरूद्ध होगी सख्त कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में सोशल मीडिया के माध्यम से साम्प्रदायिक, सामाजिक एवं जातिगत भावनाओं को भड़काने, विद्वेष एवं भ्रामक जानकारी फैलाने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई होगी। इस संबंध में पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। आदेश के उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश आगामी 01 मार्च 2026 तक लागू रहेगा।

जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुसार इन्दौर नगरीय सीमा के अन्दर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म जैसे- फेसबुक, व्हाट्सऐप, एक्स, इंस्टाग्राम, हाईक, एसएमएस, टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साईट आदि का दूरूपयोग कर साम्प्रदायिक, सामाजिक एवं जातिगत भावनाओं को भड़काने, विद्वेष तथा भ्रामक जानकारी फैलाने के लिए किसी भी प्रकार के संदेश का प्रसारण नहीं कर सकेंगे। कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म में किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उत्पाद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो इत्यादि जिससे सांप्रदायिक, सामाजिक एवं जातिगत आदि भावनाएं भड़क सकती हैं या सांप्रदायिक सामाजिक एवं जातिगत विद्वेष पैदा हो सकता है उसे प्रसारित नहीं कर सकेंगे।

कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट जिसमें साम्प्रदायिक, सामाजिक एवं जातिगत भावनाएं भड़कती हों को कमेंट, लाईक, शेयर अथवा फॉरवर्ड नहीं करेंगे। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके। कोई भी व्यक्ति सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमों से नहीं करेंगे और न ही इसके लिये किसी को प्रेरित करेंगे।

कोई भी व्यक्ति अफवाह या तथ्यों को तोड़ मरोड़कर, भड़का कर उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश जिससे लोग या समुदाय विशेष, हिंसा या गैर कानूनी गतिविधियों में शामिल हो जाये को प्रसारित नहीं करेंगे और न ही लाईक, शेयर अथवा फॉरवर्ड करेंगे और न ही ऐसा करने के लिये किसी को प्रेरित करेंगे। कोई भी व्यक्ति, समुदाय ऐसे संदेशों को प्रसारित नहीं करेंगे, जिसमें किसी व्यक्ति, संगठन, समुदाय आदि को एक स्थान पर एक राय होकर जमा होने और उनसे कोई गैरकानूनी गतिविधियां करने के लिये आव्हान किया गया हो, जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना विद्यमान हो।

कर्तव्य निष्ठा, ईमानदारी व प्रतिबद्धता की प्रतिमूर्ति है चौधरी दम्पति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिजलपुर में सेवा देकर, कमलापुर देवास से लेकर बीजलपुर इंदौर तक निष्ठा आस्था के साथ 30 वर्षों से अधिक समय तक अपने दायित्व का निर्माण करने वाले चौधरी दंपति (सुनील चौधरी एवं मीरा चौधरी) के सेवानिवृत्ति का अभिनंदन समारोह दिव्यता और भव्यता के साथ इंदौर में पुष्प वाटिका गार्डन में शैक्षणिक कुंभ के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर पर पुरानी पेंशन बहाली संघ के जिला अध्यक्ष व शासकीय शिक्षक संघ मध्य प्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार ने कहा कि चौधरी दंपत्ति सादगी सरलता की प्रतिबद्धता की प्रतिमूर्ति है। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रवीण चौधरी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आदर्श व्यक्तित्व के रूप में चौधरी दंपति का नाम हमेशा गर्व के साथ लिया जाएगा। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी हीरालाल खुशाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार के लिए चौधरी दंपति के प्रयास सराहनीय है।

प्रदेश में ठंड का डबल अटैक, रातें जमा रहीं दिन भी ठंड, कोहरे से रेल यातायात बेहाल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश इन दिनों भीषण सर्दी और घने कोहरे की दोहरी मार झेल रहा है। हालात ऐसे हैं कि कई इलाकों में रात का तापमान 3 डिग्री के आसपास पहुंच चुका है, वहीं सुबह होते ही प्रदेश का बड़ा हिस्सा कोहरे की चादर में लिपट जा रहा है। असर सिर्फ जनजीवन पर नहीं, बल्कि रेल और सड़क यातायात पर भी साफ दिख रहा है। दिल्ली से मध्यप्रदेश आने वाली एक दर्जन से ज्यादा ट्रेनें रोजाना 2 से 6 घंटे तक देरी से पहुंच रही हैं। कोहरे के कारण विजिबिलिटी बेहद कम हो गई है, जिससे ट्रेनों की रफ्तार घटानी पड़ रही है।

प्रदेश में सबसे कम तापमान शहडोल जिले के कल्याणपुर में दर्ज किया गया, जहां पारा 2.7 डिग्री तक लुढ़क गया। उमरिया, राजगढ़, शिवपुरी और रीवा जैसे इलाकों में भी ठंड ने लोगों को अलाव और हीटर का सहारा लेने पर मजबूर कर दिया।सीहोर, छिंदवाड़ा और मुरैना में तो हालात ऐसे रहे कि पौधों पर जमी ओस की बूंदें बर्फ का रूप लेती नजर आईं, जिससे फसलों को नुकसान की आशंका भी बढ़ गई है। प्रदेश के उत्तरी और उत्तर-पूर्वी जिलों में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा। ग्वालियर-चंबल अंचल से लेकर विंध्य क्षेत्र तक सड़कें धुंध में गुम रहीं। ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, श्योपुर, छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल और अनूपपुर जैसे जिलों में दृश्यता बेहद कम रही। भोपाल, इंदौर, देवास, सीहोर और रायसेन में भी मध्यम कोहरा दर्ज किया गया।

सिर्फ रात ही नहीं, दिन के तापमान ने भी लोगों को सर्दी का अहसास कराया। खजुराहो और नौगांव जैसे इलाकों में दिन का अधिकतम तापमान 16 डिग्री से नीचे रहा। दतिया, रीवा, टीकमगढ़ और ग्वालियर

में भी दिनभर सर्द हवाएं चलती रहीं, जिससे कोल्ड डे जैसी स्थिति बनी रही।राजधानी भोपाल में भी दिन के समय ठंडी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी।

आगे और बढ़ेगी ठंड

मौसम विभाग के मुताबिक जनवरी में ठंड का असर इसी तरह बना रहेगा। हिमालय क्षेत्र में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) अगले 2-3 दिनों में आगे बढ़ेगा। इसके असर से पहाड़ों पर जमी बर्फ पिघलेगी और उत्तर से आने वाली बर्फीली हवाएं तेज होंगी, जिससे मध्यप्रदेश में सर्दी और ज्यादा तीखी हो सकती है।कुल मिलाकर, प्रदेश में आने वाले दिनों में ठंड और कोहरे से फिलहाल राहत के आसार कम हैं। लोगों को सावधानी बरतने और जरूरी होने पर ही सुबह-शाम यात्रा करने की सलाह दी जा रही है।

मकर संक्रांति पर स्थानीय अवकाश रहेगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में वर्ष 2026 के लिए जिले में स्थानीय अवकाशों की घोषणा बुधवार को हुई। कलेक्टर शिवम वर्मा ने इसके आदेश जारी किए है। इस बार के कैलेंडर में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव मकर संक्रांति को लेकर किया गया है। पहली बार 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर्व पर स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। मकर संक्रांति को मध्य प्रदेश में धूमधाम से मनाया जाने लगा है। प्रशासन ने दशहरे के अगले दिन यानी 21 अक्टूबर को स्थानीय अवकाश निर्धारित किया है। इसके अतिरिक्त दीपावली के पश्चात आने वाले भाईदूज के पर्व पर 11 नवंबर को भी जिले में छुट्टी रहेगी। देवी अहिल्याबाई होलकर की स्मृति में मनाए जाने वाले अहिल्या दिवस पर 10 सितंबर को आधे दिन का अवकाश घोषित किया गया है, जिससे सरकारी कर्मचारी और नागरिक माता अहिल्या के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सकें। यह सभी स्थानीय अवकाश केवल इंदौर जिले की सीमाओं के भीतर ही प्रभावी रहेंगे। आमतौर पर इंदौर में रंगपंचमी का अवकाश दिया जाता है, लेकिन इस वर्ष 8 मार्च को रंगपंचमी होने के कारण अलग से स्थानीय अवकाश की घोषणा नहीं की गई है।

राजपूत समाज का परिचय सम्मेलन 11 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राजपूत समाज की एकता के लिए फिजूलखर्ची को रोकने हेतु कमजोर व मध्यवर्गीय जरूरतमंदों की मदद हेतु पूर्ण रूप से वैदिक परम्परा का निर्वाहन करते हुए , रीति-रिवाज से सामूहिक परिचय सम्मेलन व विवाह करने हेतु विगत 33 वर्षों से राजपूत समाज के लिए परिचय सम्मेलनों की एक अच्छी व सकारात्मक परम्परा अविरल प्रवाह से चल रही है। राजपूत चेतना मंडल के युवा तरुणाई मीडिया प्रभारी विनोद सिंह चौहान ने बताया कि इस वर्ष 11 जनवरी रविवार सुबह 11 बजे से यह नि:शुल्क परिचय सम्मेलन आयोजित होने वाला हैं जिसमें बाहर से आने वाले समाजजनों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था नि:शुल्क की रखी है। जिसकी पंजीयन की प्रक्रिया बहुत पहले से ही प्रारंभ हो चुकी थी।

परामर्शदाताओं और विद्यार्थियों द्वारा बस्ती में सेवा कार्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के माननीय उपाध्यक्ष महोदय श्री मोहन जी नागर और कार्यपालक निदेशक महोदय डॉक्टर बकुल जी लाड़ के निर्देशन और मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के परामर्शदाताओं और विद्यार्थियों द्वारा इंदौर नगर में स्थानीय भागीरथपुरा बस्ती क्षेत्र में दूषित पानी पीने से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निराकरण और जागरूकता के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ सहायता अभियान चलाया गया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 08 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

यात्रा इन्दौर से शुरू होकर शिर्डी एवं सप्तश्रृंगी माताजी नासिक तक पहुंची

इंदौर ● देवी अहिल्या साई सोशल भक्त समिति द्वारा चार दिवसीय धार्मिक यात्रा को 450 किलोमीटर पैदल चलकर पूरी की। यात्रा इन्दौर से निकलकर शिर्डी एवं सप्तश्रृंगी माताजी नासिक पहुंची। सैकड़ो भक्त सम्मिलित हुए। समिती के अध्यक्ष भोला सिंह ठाकुर ने बताया कि समिति द्वारा चार दिवसीय धार्मिक यात्रा इंदौर से शनिवार को रवाना हुई थी, यहां से पैदल चलकर शिर्डी पहुंचे जहां साई बाबा के दर्शन किए, वहां से सप्तश्रृंगी माताजी नासिक के लिए निकली माता के दर्शन करके यात्रा पूरी हुई। यात्रा पैदल और बस द्वारा की गई। इस यात्रा में मुक बधिर,विकलांग, वृद्धजन सहित सैकड़ो भक्त सम्मिलित हुए। यात्रा में भक्त नाचते गाते साई बाबा के जयकारे लगाते हुए चल चले, साईं बाबा रथ पर सवार होकर निकले। यात्रा में चार दिनों में सैकड़ो भक्तों ने 450 किलोमीटर की यात्रा पूरी की।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य सम्मेलन में अतुल खंडेलवाल बने प्रदेशाध्यक्ष

इंदौर ●अंतर्राष्ट्रीय वैश्य सम्मेलन नई दिल्ली के मप्र अध्यक्ष गोविंद गोयल ने समाजसेवी एवं सत्यमित्रा समूह के संचालन, पीथमपुर उद्योग संचालक संगठन के संस्थापक अध्यक्ष अतुल खंडेलवाल को मप्र की युवा इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वे कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, केन्द्रीय श्रम मंत्रालय दिल्ली के बोर्ड मेम्बर भी हैं तथा प्रदेश के मप्र श्रम कल्याण मंडल के भी बोर्ड मेम्बर के रूप में दोनों बोर्ड में उद्योगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने अपनी नियुक्ति पर प्रदेशाध्यक्ष गोविंद गोयल एवं संगठन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया है कि वे अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन कर वैश्य समाज को एकजुट करने में हमेशा समर्पित बने रहेंगे।

प्रदेश में 19 करोड़ की लागत से बनेगा रॉक आर्ट ईको पार्क म्यूजियम

भोपाल (एजेंसी) ● यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भीमबेटका, जो अपनी पाषाणकालीन गुफाओं और शैल-चित्रों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है, अब पर्यटकों को एक नया अनुभव देने जा रहा है। यहां देश का पहला 'रॉक आर्ट ईको पार्क म्यूजियम' तैयार किया जा रहा है। मप्र पर्यटन निगम इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रहा है, जिसकी अनुमानित लागत 19 करोड़ रुपये बताई गई है। भीमबेटका में मौजूद 30 हजार साल पुरानी शैल-कलाओं को देखने के लिए हर साल हजारों देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। हालांकि, कई चित्र दुर्गम पहाड़ियों पर स्थित होने के कारण पर्यटकों की पहुंच से दूर रह जाते थे। इसी समस्या के समाधान के लिए पर्यटन विभाग ने यह अनूठी पहल की है।

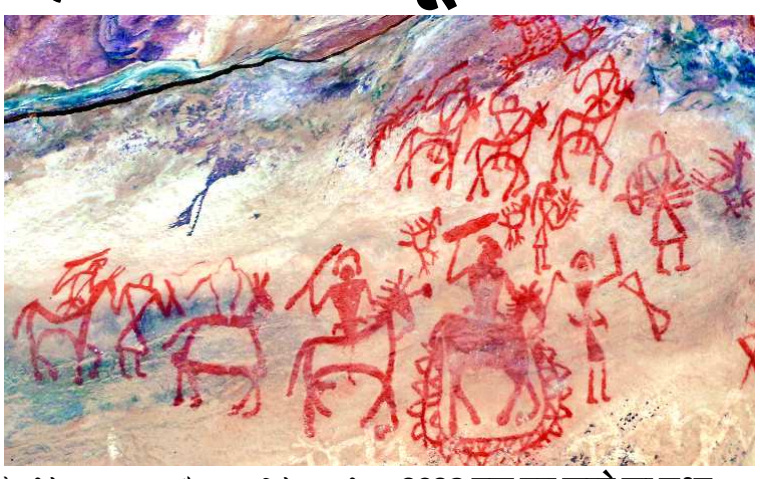

डिजिटल माध्यम से देख सकेंगे 750 शैल-चित्र

भीमबेटका की सात पहाड़ियों में 750 से अधिक रॉक शेल्टर्स (शैलाश्रय) और चित्र फैले हुए हैं। एक सामान्य पर्यटक के लिए इन सभी जगहों तक पहुंचना लगभग असंभव होता है। प्रस्तावित म्यूजियम 1.12 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला होगा। यहां पर्यटकों को आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों से उन सभी दुर्लभ शैल-चित्रों का अनुभव कराया जाएगा, जो मुख्य मार्ग से दूर स्थित हैं। इसका मुख्य उद्देश्य सभी ऐतिहासिक धरोहरों को एक ही छत के नीचे सुलभ बनाना है। इस परियोजना की सबसे खास बात इसका निर्माण है। यहां कोई भी पारंपरिक पक्का भवन या बड़ा हॉल नहीं बनाया जाएगा। चूंकि भीमबेटका एक संरक्षित वन क्षेत्र और विश्व धरोहर स्थल है, इसलिए पर्यावरण और मूल परिवेश को ध्यान में रखते हुए यहां केवल अस्थायी सामग्रियों का उपयोग होगा। यह ईको पार्क पूरी तरह से भीमबेटका के प्राकृतिक परिवेश जैसा ही दिखेगा। इसे इस तरह डिजाइन किया जा रहा है कि आधुनिकता और प्राचीनता का संगम हो सके। निर्माण कार्य में कंक्रीट के बजाय ईको-फ्रेंडली मटेरियल का इस्तेमाल किया जाएगा।

2028 तक पूरा करने का लक्ष्य

पर्यटन विभाग ने इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए वर्ष 2028 का लक्ष्य निर्धारित किया है। अधिकारियों का मानना है कि इस म्यूजियम के बनने से न केवल पर्यटकों की संख्या में इजाफा होगा, बल्कि शोधकर्ताओं और इतिहास प्रेमियों को भी पाषाणकालीन मानव जीवन को समझने में आसानी होगी। भीमबेटका को वर्ष 2003 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था। यहां के शैल-चित्र आदिमानव के जीवन, शिकार और नृत्य जैसी गतिविधियों को दर्शाते हैं, जो इतिहास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

होम्योपैथी के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संगठन की गोल्डन जुबली में डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन की पुस्तक 'असंभव से संभव' का विमोचन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● होम्योपैथी के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संगठन द्वारा आयोजित ऑल इंडिया होम्योपैथिक कांग्रेस-2025 एवं होमियो एक्सपो-2025 में भारत की आधुनिक होम्योपैथी के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह भव्य आयोजन 26 से 28 दिसंबर को बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर, कोलकाता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन की प्रेरणादायी पुस्तक 'असंभव से संभव' का विधिवत विमोचन किया गया। पुस्तक का विमोचन एवं आयुष मंत्रालय से जुड़े होम्योपैथिक प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। यह पुस्तक आधुनिक और सुपर स्पेशियलिटी होम्योपैथी के माध्यम से असाध्य एवं जटिल रोगों में प्राप्त सफलताओं, मानवीय दृष्टिकोण और शोध आधारित चिकित्सा पद्धति को सरल भाषा में प्रस्तुत करती है। पुस्तक विमोचन के दौरान उपस्थित देश-विदेश के चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों ने इसे होम्योपैथी के क्षेत्र में एक प्रेरणास्रोत बताया। डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन वर्तमान में देशों के होम्योपैथिक प्रतिनिधि एवं इंदौर शाखा के उपाध्यक्ष हैं। इस वैश्विक मंच पर उनकी सहभागिता एवं पुस्तक विमोचन को भारतीय होम्योपैथी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

महिला से छेड़छाड़ बजरंग दल के हस्तक्षेप के बाद मुकदमा दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सराफा थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ छेड़छाड़, जातिसूचक शब्दों से अपमान और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी मुईद पठान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के तहत केस दर्ज कराया हैं। विहिप के प्रचार प्रसार प्रमुख देवा शर्मा ने ने बताया कि 36 वर्षीय महिला ने 7 जनवरी को सराफा थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में महिला ने बताया कि वह चंदननगर थाना क्षेत्र के कालानी नगर इलाके में किराये के मकान में निवास करती है। पीड़िता के अनुसार, 25 दिसंबर 2025 की दोपहर को वह स्कूटी से राजवाड़ा से अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में मुईद पठान ने उसे रोक लिया और बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया। महिला द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित किया।शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी ने आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए कहा कि 'मेरी जैसी कई महिलाएं रोज आती हैं', जिससे पीड़िता को मानसिक रूप से गहरा आघात पहुंचा।शिकायत आवेदन का अवलोकन करने के बाद थाना प्रभारी ने मामले को गंभीर मानते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से अनुमति प्राप्त की। जांच में प्रथम दृष्टया अपराध पाए जाने पर आरोपी मुईद पठान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता एवं स्ट/स्ज्ञ एक्ट की धारा के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी।

बजरंग दल की चेतावनी - घटना को लेकर विहिप के जिला मंत्री सागर सोनी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में किसी भी हिंदू महिला या बेटी के साथ इस प्रकार की घटना होती है तो संगठन चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने आरोपियों और उन्हें संरक्षण देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

भागीरथपुरा मामले में कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में की शिकायत दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित जल के सेवन से 18 लोगों की मृत्यु के गंभीर मामले को लेकर कांग्रेस नेता विवेक खंडेलवाल द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई थी। मानवाधिकार आयोग ने इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए सूचित किया है कि कांग्रेस नेता विवेक खंडेलवाल से प्राप्त पत्र को HRCNet प्रणाली में डायरी क्रमांक 2843/CR/2026 के अंतर्गत दर्ज कर लिया गया है। यह मामला मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन से जुड़ा हुआ है, जहाँ स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के अभाव में 18 निर्दोष नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी। कांग्रेस नेता विवेक खंडेलवाल ने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई तथा पीड़ित परिवारों को मुआवज़ा दिए जाने की माँग की है। अब यह अपेक्षा की जा रही है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग इस गंभीर मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर न्याय सुनिश्चित करेगा।

आरडीएसएस अंतर्गत पश्चिम मप्र का 86वां सब स्टेशन ऊर्जीकृत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासन की महत्वपूर्ण रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) अंतर्गत पश्चिम क्षेत्र का 86वां 33/11 केवी सब स्टेशन इंदौर संभाग के खरगोन जिले के बलसगांव पाडल्या में ऊर्जीकृत किया गया है। पांच एमवीए के इस ग्रिड से हजारों उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया योजना में प्रदेश का पहला ग्रिड इंदौर जिले के ईमलीखेड़ा में तैयार हुआ था। अब तक इंदौर शहर वृत्त और इंदौर ग्रामीण वृत्त में कुल 13 सब स्टेशन तैयार कर बिजली वितरित की जा रही है। उज्जैन जिले में 12, शाजापुर 8, रतलाम 9, देवास 5, खरगोन 6, बड़वानी 4, खंडवा 8, बुरहानपुर 7, झाबुआ 5, धार 2, मंदसौर 3, नीमच में एक सब स्टेशन तैयार होकर विद्युत आपूर्ति सेवा प्रदान कर रहे है। श्री सिंह ने बताया कि आरडीएसएस अंतर्गत 5 एमवीए क्षमता के इन ग्रिडों से कंपनी की विद्युत वितरण क्षमता 430 एमवीए बढ़ी है।

राउंड टेबल इंडिया एरिया-17 द्वारा आयोजित क्रिकेट स्पर्धा में शामिल हुई आठ टीमें, वीएमओ वायकिंग्स रही विजेता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राउंड टेबल इंडिया एरिया-17 इंदौर द्वारा सद्भावना क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन बिचौली हप्सी स्थित मेहता फार्म्स पर संपन्न हुआ जिसमें कुल 8 टीमों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी भागीदारी दर्ज कराई। रोमांचक मुकाबलों में सेमी फाइनल में वीएमओ वायकिंग्स और मेट्रो प्लाय वारियर्स तथा निवेशज्ञा विरुद्ध एसएनजी रोबोस के बीच हुए मुकाबलों में वीएमओ वायकिंग्स और निवेशज्ञा ने फाइनल में जगह बनाई और अंततः वीएमओ वायकिंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ख़िताब अपने नाम कर लिया। राउंड टेबल इंडिया एरिया-17 एक सामाजिक संगठन है जो वंचित और जरूरतमंद बच्चों के लिए स्कूलों और कक्षाओं के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। राज्य में संगठन की कुल 12 टेबल्स कार्यरत हैं जिनमें से 4 टेबल्स अकेले इंदौर में सक्रिय हैं। बुधवार को खेले गए टूर्नामेंट में भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, झाँसी और ग्वालियर जैसे शहरों से आए खिलाडियों ने भी भाग लिया जिससे यह स्पर्धा एक सामाजिक खेल उत्सव में बदल गया। विजेता वीएमओ वायकिंग्स की कप्तानी आलेश कासलीवाल ने की। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अखिल केशवानी को मैन ऑफ़ द मैच और अंकित यादव को मैन ऑफ़ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिया गया।

भागवत केवल कथा नहीं, सदगुणों का खजाना -स्वामी प्रणवानंद सरस्वती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●भागवत भगवान कृष्ण का वांगमय अवतार है। यह कथा केवल कथा नहीं जीवन की व्यथा को दूर करने का सबसे सरल माध्यम है। दुनिया में एकमात्र भागवत ही ऐसी रचना है जो नित्य नूतन अनुभूति प्रदान करती है। हजारों बार सुनने के बाद भी भागवत हर बार नूतन आनंद देती है। भक्त और भगवान को जोडने का काम भागवत रूपी सेतु से ही संभव है। भागवत केवल कथा नहीं, सदगुणों का खजाना है जिसमें जितना गहरे उतरेंगे, उतना ही ज्यादा प्राप्त करेंगे। ये दिव्य विचार हैं अखंड प्रणव वेदांत आश्रम, झलारिया के महामंडलेश्वर स्वामी प्रणवानंद सरस्वती के, जो उन्होंने झलारिया बायपास स्थित रूचि लाइफ स्केप पर आज से प्रारंभ भागवत ज्ञान यज्ञ के शुभारंभ सत्र में व्यक्त किए। इसके पूर्व झलारिया एवं आसपास के क्षेत्रों में भागवतजी की शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें भजन एवं गरबा मंडलियों के साथ मंगल कलशधारी महिलाएं भी शामिल हुईं। कथा स्थल अखंड प्रणव वेदांत आश्रम पहुँचने पर मुख्य यजमान समाजसेवी सुरेश-मृदुला शाहरा, श्रीमती कल्पना भाटिया एवं अन्य श्रद्धालुओं ने व्यासपीठ का पूजन किया। महामंडलेश्वर स्वामी प्रणवानंद सरस्वती यहाँ मंगलवार 13 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 3 से सांय 7 बजे तक भागवत कथामृत की वर्षा करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कथा में गुरुवार 8 जनवरी को कपिल देवहुति संवाद, 9 को भक्त प्रह्लाद एवं ध्रुव चरित्र, 10 को कृष्ण जन्मोत्सव, 11 को बाल लीला एवं गोवर्धन पूजन, 12 को रूक्मणी स्वयंवर तथा 13 जनवरी को सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष के साथ कथा का विश्राम होगा।

आकाश से भी अधिक ऊंचाई और समुद्र से भी ज्यादा गहराई रामकथा के भावों में : पं. भार्गव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रामकथा भारतभूमि का प्राणतत्व है। रामचरित मानस का प्रत्येक अक्षर मनुष्य को निष्पाप बनाने वाला है। प्रभु राम ने मानव के साथ-साथ वन्यप्राणियों को भी जीवन जीने की कला सिखाई है। राम सत्य, धर्म, प्रेम, करूणा और पराक्रम के पर्याय एवं प्रतीक हैं। विश्व की समस्याओं का समाधान शस्त्र से नहीं, भारत के शास्त्रों से ही संभव होगा, लेकिन वर्तमान हालातों में शास्त्रों के साथ शस्त्रों पर भी ध्यान देना होगा। आकाश से भी अधिक ऊंचाई और समुद्र से भी ज्यादा गहराई रामकथा के भावों में है। बर्फानी धाम के पीछे स्थित गणेश नगर में माता केशरबाई रघुवंशी धर्मशाला परिसर के शिव-हनुमान मंदिर की साक्षी में चल रही रामकथा में बुधवार को प्रख्यात मानस मर्मज्ञ पं. मनोज भार्गव ने प्रभु श्रीराम के वनवास काल के विभिन्न प्रसंगों की व्याख्या के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। प्रारंभ में आयोजन समिति के प्रमुख तुलसीराम रघुवंशी एवं संयोजक रेवतसिंह रघुवंशी के साथ अ.भा. उपभोक्ता कांग्रेस संगठन के अध्यक्ष आरके शुक्ला, मोहन सिंह रघुवंशी, गजेन्द्र सिंह चंदेल एवं राजेंद्र सिंह रघुवंशी सहित अनेक विशिष्टजनों ने व्यास पीठ एवं रामचरितमानस का पूजन किया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

इराक से पनामा और अब वेनेजुएला: क्या अमेरिका फिर बन रहा है 'दुनिया का थानेदार'?

अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने का लगातार आरोप लगाने के बाद शुक्रवार देर रात राजधानी काराकस पर हमला कर दिया था। इस दौरान मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर न्यूयार्क ले जाया गया। वेनेजुएला पर अमेरिका की कार्रवाई के मुद्दे पर भी भारत ने बातचीत से मसले को सुलझाने और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता कायम रखने पर जोर दिया है। साथ ही तेल समृद्ध वेनेजुएला में तेजी से बदल रही स्थिति पर करीबी नजर भी रखी जा रही है, ताकि आने वाले समय में राष्ट्रहित की रक्षा के लिए उचित कदम उठाए जा सकें। भारत सहित कई देशों ने इस घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताई है और वेनेजुएला की संप्रभुता एवं वहां के लोगों की सुरक्षा की वकालत की है। इस बीच, यह सवाल भी उठ रहा है कि किसी राष्ट्र पर हमला कर वहां के प्रमुख और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर देश से बाहर ले जाने की अमेरिका की कार्रवाई क्या अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों का उल्लंघन नहीं है? गौरतलब है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने का लगातार आरोप लगाने के बाद शुक्रवार देर रात राजधानी काराकस पर हमला कर दिया था। इस दौरान मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर न्यूयार्क ले जाया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि मादुरो के खिलाफ न्यूयार्क में मुकदमा चलाया जाएगा। यह कोई पहली बार नहीं है कि अमेरिका ने किसी देश में सत्ता परिवर्तन का प्रयास किया है। वर्ष 1965 में अमेरिका ने डोमिनिकन गणराज्य में बड़ी संख्या में अपने सैनिक भेजे, ताकि 1963 में तख्तापलट के तहत हटाए गए पूर्व राष्ट्रपति जुआन बोश की वापसी को रोका जा सके। वर्ष 1989 में अमेरिकी सैनिकों ने पनामा पर धावा बोला, जिसका मकसद तत्कालीन जनरल मैनुअल नोरिएगा को हटाना था, जिन पर मादुरो की तरह ही मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप थे। वर्ष 2003 में अमेरिका के नेतृत्व में इराक पर हमला कर सद्दाम हुसैन के लंबे शासन का अंत कर दिया गया। इसी तरह वर्ष 2004 में हैती के तत्कालीन राष्ट्रपति को सत्ता से हटाकर अफ्रीका भेज दिया गया। यह बात सही है कि अगर दुनिया के किसी हिस्से में मानव सुरक्षा का गंभीर संकट हो, तो किसी दूसरे देश के हस्तक्षेप को तभी उचित ठहराया जा सकता है, जब यह सब अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों के दायरे में किया जाए। शीत युद्ध के दौरान अमेरिकी हस्तक्षेप की अक्सर निंदा की जाती थी, लेकिन इससे कभी भी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की वैधता को सीधे तौर पर खतरा महसूस नहीं हुआ।

मतदाता सूची का मेगा रीसेट: जनता वोट और सत्ता की जंग

मृतक, डुप्लीकेट और गायब नाम: लोकतंत्र की परीक्षा यूपी में

मतदाता सूची की सफाई: अधिकार सुरक्षित या लोकतंत्र कमजोर?

उत्तर प्रदेश में हाल ही में मतदाता सूची में बड़ा संशोधन आया, जिसने राजनीति और प्रशासन दोनों में हलचल मचा दी है। 2.89 करोड़ नाम हटने के बाद लोकतंत्र की नींव पर गंभीर प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। क्या यह कदम चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने की वास्तविक कोशिश है, या सत्ता की चालाकी और रणनीति का हिस्सा मात्र? देश के सबसे बड़े राज्य में इस बदलाव ने व्यापक बहस को जन्म दिया है। शुद्धता के दावे और अन्याय के आरोपों के बीच जनता उलझन में है। ड्राफ्ट सूची में यह विशाल संशोधन दिखाता है कि मतदाता सूची केवल कागजी दस्तावेज़ नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रीढ़ और उसकी विश्वसनीयता का प्रमाण है।

चुनाव आयोग ने 6 जनवरी 2026 को ड्राफ्ट सूची जारी की, जिसमें कुल 15.44 करोड़ मतदाताओं में से 2.89 करोड़ नाम हटा दिए गए। अब कुल वैध नाम केवल 12.55 करोड़ बचे हैं। हटाए गए नामों में 46.23 लाख मृतक, 2.17 करोड़ स्थानांतरित और 25.47 लाख डुप्लिकेट नाम शामिल हैं। यह कुल मतदाताओं का 18.7 प्रतिशत है, जो भारत में किसी भी राज्य में सबसे बड़ा संशोधन माना जा रहा है। एसआईआर की समयसीमा और ड्राफ्ट प्रकाशन कई बार बढ़ाया गया, क्योंकि सूची में बड़े पैमाने पर असंगतियां मिलीं। दावा-आपत्ति की अवधि 6 फरवरी तक है, जिससे सभी प्रभावित लोग फॉर्म भरकर नाम जोड़ सकते हैं। इस विशाल हटाव ने सवाल खड़े किए हैं कि क्या यह लोकतंत्र को मजबूत करने का कदम है, या लक्षित राजनीतिक कार्रवाई है।

लोकतंत्र की शुद्धता के समर्थक इसे ऐतिहासिक सुधार कहते हैं। उनके अनुसार, मृतक और डुप्लिकेट नाम चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। इससे वोटिंग सिस्टम में फर्जीवाड़ा रोका जा सकता है। एसआईआर प्रक्रिया के अनुसार, 81.3 प्रतिशत मतदाताओं ने गणना फॉर्म जमा किए, जबकि बाकी नहीं कर सके। इस तरह की सफाई अन्य राज्यों में भी हुई, लेकिन उत्तर प्रदेश में कटौती सर्वाधिक रही। समर्थकों का कहना है कि इससे वोट बैंक की राजनीति कमजोर होगी और असली मतदाताओं की आवाज़ को ताकत मिलेगी।

विपक्षी दल इसे राजनीतिक साजिश मान रहे हैं। उनका तर्क है कि गरीब और अल्पसंख्यक समुदाय के वोटों को प्रभावित किया जा रहा है। कई नेता और उनके परिवार के नाम हटाए जाने का दावा कर रहे हैं। उनका कहना है कि केवल निवास बदलने के कारण वैध मतदाताओं को बाहर किया गया। विरोधियों का आरोप है कि यह लोकतंत्र पर हमला है और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन हो सकता है। शहरी क्षेत्रों और प्रवासी आबादी में अधिक नाम हटाए गए हैं, जिससे यह आशंका बढ़ रही है कि यह उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई हो सकती है।

तथ्यों की पड़ताल करें तो आयोग ने हटाव के स्पष्ट कारण बताए हैं-मृत्यु, स्थानांतरण और डुप्लिकेट नाम। लखनऊ और गाजियाबाद जैसे शहरी केंद्रों में सबसे ज्यादा नाम हटाए गए। घर-घर जाकर फॉर्म भरवाए गए और 91 प्रतिशत से अधिक मैपिंगकी गई। शेष को नोटिस भेजे जा रहे हैं। बावजूद इसके, इतनी बड़ी संख्या ने संदेह पैदा कर दिया है। क्या सभी फॉर्म न जमा करने वाले असली मतदाता नहीं हैं? आयोग का कहना है कि दावा-आपत्ति प्रक्रिया में सुधार संभव है और यह निष्पक्षता दिखाती है। विपक्ष का कहना है कि दस्तावेज जुटाने में गरीब और अनपढ़ मतदाताओं को दिक्कत होगी, जिससे लोकतंत्र की वैधता पर सवाल उठते हैं।

इस संशोधन का आगामी चुनावों पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें निर्णायक मानी जाती हैं। अगर वैध मतदाता भी हट गए, तो वोट प्रतिशत और चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। समर्थक इसे फर्जीवाड़ा रोकने का कदम मानते हैं, जबकि विपक्ष इसे वोट दबाने की रणनीति कह रहा है। एसआईआर की अवधि बढ़ने से सत्यापन बेहतर हुआ, लेकिन गरीब और अल्पसंख्यक समुदाय इससे सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। यह सवाल उठता है कि क्या प्रक्रिया पर्याप्त पारदर्शी है या नहीं।

समाज पर नजर डालें तो प्रवासी मजदूर, शहरी गरीब और छोटे शहरों के मतदाता सबसे प्रभावित हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्र भी इससे अछूते नहीं रहे। विपक्ष इसे मतदाता दमन मान रहा है। वहीं आयोग का कहना है कि मृतक नाम हटाना अनिवार्य था और यह रूटीन प्रक्रिया है। अन्य राज्यों में भी ऐसा सुधार होना चाहिए। मतदाता सूची की शुद्धता ही चुनाव की नींव है। अगर फर्जी नाम मौजूद रहें, तो लोकतंत्र कमजोर होगा। वहीं वैध नाम हटने से अन्याय होगा। जनता को जागरूक होना आवश्यक है।

आगे की राह में आयोग के लिए पूर्ण पारदर्शिता अनिवार्य हो गई है। दावा-आपत्ति की अवधि में लाखों मतदाता अपने अधिकार को सुरक्षित कर सकते हैं, और यदि कोई वैध मतदाता सूची से बाहर रह गया, तो लोकतंत्र की नींव हिल सकती है। अन्य राज्यों के अनुभव और उदाहरण हमें यह सिखाते हैं कि मतदाता सूची सिर्फ एक प्रशासनिक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि हर नागरिक की राजनीतिक पहचान का प्रतीक है। इसलिए इसकी नियमित समीक्षा और सुधार न्यायपूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से होना चाहिए।

यह संशोधन दोधारी तलवार की तरह है—2.89 करोड़ नामों के हटने ने सार्वजनिक बहस और राजनीतिक विवाद को हवा दी है। यदि हटाए गए नाम केवल फर्जी थे, तो यह लोकतंत्र की शुद्धता की दिशा में ऐतिहासिक कदम होगा। लेकिन यदि वैध मतदाता प्रभावित हुए, तो यह अधिकार और विश्वास दोनों को क्षति पहुंचा सकता है। विपक्ष को ठोस प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे और आयोग को अपनी निष्पक्षता साबित करनी होगी। लोकतंत्र तब मजबूत रहेगा जब हर वैध वोट गिना जाएगा और किसी की आवाज़ दबाई नहीं जाएगी। यह प्रकरण याद दिलाता है कि वोट हमारा अधिकार है और सुरक्षित रहना चाहिए। समय ही बताएगा कि यह कदम लोकतंत्र की शुद्धता था या राजनीतिक खेल।

उत्तर प्रदेश का यह उदाहरण हमें एक बड़ा और सशक्त सबक देता है। बड़े बदलाव सोच-समझकर और पूरी सावधानी के साथ होने चाहिए, क्योंकि हर गलती सीधे लोकतंत्र की नींव को हिला सकती है। जनता के लिए यह जिम्मेदारी बन गई है कि वह अपने नाम, अपने अधिकार और मतदाता रिकॉर्ड की खुद जांच करे। हर मतदाता जागरूक रहे, ताकि किसी की आवाज दबाई न जा सके और हर वैध वोट सुरक्षित रहे। चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता पर ध्यान देना अब केवल प्रशासन का कर्तव्य नहीं, बल्कि हर नागरिक की अनिवार्य भूमिका बन चुकी है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत',
बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

महात्मा मनसुख दास बाबा मेले में बंदरों का उत्पात, व्यापारियों ने दिया ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

शाहपुर● नगर में चल रहे महात्मा मनसुख दास बाबा मेले में काले मुंह वाले बंदरों का आतंक बढ़ गया है। बीते पांच दिनों में बंदरों ने व्यापारियों के पार और तिरपाल फाड़ दिए। किराना दुकानों में घुसकर सामान बिखेर रहे हैं। व्यापारी संघ अध्यक्ष दिलीप गुप्ता ने बताया कि बंदर समूह में घूम रहे हैं। इससे मेले में दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। व्यापारियों ने रेंज ऑफिस पहुंचकर रेंजर मोहनलाल अरसे को एसडीओ फॉरेस्ट के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बंदरों से निजात दिलाने की मांग की गई। नगर के शिवप्रसाद साहू ने बताया कि बंदर सुबह से खेड़ापति मंदिर पहुंच जाते हैं। लोगों पर दौड़ते हैं। प्रसादी और चढ़ाई सामग्री उठा ले जाते हैं। नगर में इन दिनों बड़ी संख्या में लाल और काले मुंह के बंदर घूम रहे हैं। नागरिकों और बच्चों को परेशानी हो रही है। मेले में भीड़ बढ़ने वाली है। ऐसे में बंदरों को नगर से बाहर करना जरूरी है। रेंजर मोहनलाल अरसे ने बताया कि काले मुंह के बंदरों की सर्चिंग के लिए टीम भेजी गई है। टीम तलाश कर रही है। लाल मुंह के बंदरों को वन विभाग की सूची से हटा दिया गया है। इनके लिए नगर परिषद और जनपद पंचायत को कार्रवाई करनी चाहिए। नगर परिषद शाहपुर के सीएमओ के एस उइके ने कहा कि लाल मुंह के बंदरों को हटाने की कार्रवाई जल्द की जाएगी।

बड़वाह में लगी विज्ञान प्रदर्शनी, चंद्रयान-3 के मॉडल बने, 46 स्टूडेंट्स जिला स्तर के लिए चयनित

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● बड़वाह में बुधवार को स्थानीय सांदीपनि शाला कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल में ब्लॉक स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें बड़वाह ब्लॉक के 16 जनशिक्षा केंद्रों की माध्यमिक शालाओं से 46 विद्यार्थियों ने विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान विषयों पर आधारित अपने मॉडल प्रदर्शित किए। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। उन्होंने हाल ही में भारत की उपलब्धि चंद्रयान-3 का मॉडल, हजारों वर्षों का कैलेंडर और अंतरिक्ष में सैटेलाइट की कार्यप्रणाली सहित कई अनूठे विज्ञान मॉडल प्रस्तुत किए। इन मॉडलों के माध्यम से बच्चों ने कठिन वैज्ञानिक सिद्धांतों को सरल तरीके से समझाया। प्रदर्शनी का अवलोकन करने पहुंची सांदीपनि स्कूल की छात्राओं ने बाल वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की। मॉडलों को देखने के बाद छात्राओं ने कहा कि उन्हें इस प्रदर्शनी से विज्ञान से जुड़ी कई

नई और महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं, जो किताबों से अलग व्यावहारिक ज्ञान देती हैं। प्रदर्शनी प्रभारी दिलीप चौरे और सुनील भालेकर ने बताया कि बीईओ रेवाराम वर्मा और बीआरसी मेवाराम बर्मन भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उन्होंने हर स्टॉल पर जाकर बच्चों से उनके मॉडल के बारे में जानकारी ली और उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान बीएसी अजय पाल, विशाल सोनी सहित विभिन्न संस्थाओं के शिक्षक भी मौजूद थे।

46 स्टूडेंट्स चयनित

निर्णायक मंडल में सोनिका ठाकुर, मनीषा सीटोले और नीति देशवाली शामिल थीं, जिन्होंने जिला स्तर के लिए छात्रों का चयन किया। विज्ञान वर्ग से माध्यमिक विद्यालय बावड़ीखेड़ा से रंजीत, वैभव, ऋषिका; मा.वि. नांदिया से आयुष, हरिओम और मा.वि. बामनपुरी से सरिता व मंगू का चयन हुआ। गणित वर्ग से माध्यमिक विद्यालय झिगड़ी के छात्र लालू और मा.वि. बाल्या की छात्रा गरिमा व सपना चुनी गईं। सामाजिक विज्ञान वर्ग से माध्यमिक विद्यालय बागोद से अंतिम, आराधना और मा.वि. क्रमांक-1 बड़वाह की छात्रा आलिया व हर्षिता का चयन किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को स्वल्पाहार कराया गया, जिसके बाद प्रदर्शनी का समापन हुआ।

मंडलेश्वर में घूम रही थी आग से झुलसी महिला, पुलिस लेकर पहुंची अस्पताल

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● मंडलेश्वर पुलिस ने सोनिया नगर में भटक रही एक गंभीर रूप से झुलसी और मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को बचाया। पुलिस ने उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया और उसके परिजनों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। महिला लगभग एक माह पहले उज्जैन में जली थी और इलाज के दौरान अस्पताल से भागकर यहां पहुंची थी। पुलिस के अनुसार, बुधवार को स्थानीय रहवासियों ने एक महिला को संदिग्ध स्थिति में झुलसी हुई हालत में भटकते देखा। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। थाना प्रभारी दीपक यादव ने त्वरित

कार्रवाई करते हुए महिला को मंडलेश्वर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। पूछताछ में महिला ने अपना नाम टहलका बाई पति शंकर निवासी ग्राम बीड़, भगवानपुरा थाना मूंदी, जिला खंडवा बताया। महिला ने पुलिस को बताया कि वह उज्जैन में थी, जहां किसी अज्ञात व्यक्ति ने सिगरेट के लाइटर से उसके कपड़ों में आग लगा दी थी। सब-इंस्पेक्टर प्रवीण निकुंभ ने बताया कि महिला मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ नहीं है। बातचीत में महिला ने बताया कि उसका इलाज कहीं (संभवत: उज्जैन या इंदौर) चल रहा था। डॉक्टरों द्वारा ड्रेसिंग करने पर उसे बहुत दर्द होता था, इसी डर से वह बिना बताए अस्पताल से भाग निकली और भटकते-भटकते मंडलेश्वर पहुंच गई। पुलिस की जांच में महिला के हाथ पर कुछ नाम गुदे हुए मिले, जिनमें उसके पति शंकर और भाई का नाम लिखा है। महिला ने बताया कि उसके माता-पिता मूंदी थाना क्षेत्र के भगवानपुरा में रहते हैं।

खंडवा में 10 टीमें नर्मदा लाइन के सुधार में जुटीं

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● इंदौर में दूषित पानी से हुई घटना से सबक लेते हुए खंडवा नगर निगम अलर्ट मोड पर है। शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था को सुधारने के लिए निगम ने बड़ा अभियान शुरू किया है। पिछले दो दिनों में नर्मदा लाइन में 33 लीकेज ढूंढे गए हैं, जिनमें से 14 को सुधार दिया गया है। रविवार से इस काम में 10 अलग-अलग टीमें लगा दी गई हैं, ताकि बाकी लीकेज भी जल्द ठीक किए जा सकें। निगम कमिश्नर प्रियंका सिंह राजावत ने बताया कि लोगों की समस्याओं के तुरंत समाधान के लिए जल कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसके लिए दो हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं।

10 वार्डों में 120 जगह पानी की टेस्टिंग

लाल चौकी स्थित फिल्टर प्लांट और रामेश्वर टंकी की सफाई का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। 'अमृत मित्रों' की टीम ने शहर के 10 वार्डों में 120 स्थानों से पानी के सैंपल लेकर जांच की है, ताकि पानी की गुणवत्ता पर नजर रखी जा सके।

नालियों से गुजर रहे 6 कनेक्शन काटे

निगम ने अवैध कनेक्शनों पर भी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच के दौरान नियमों के खिलाफ जाकर नालियों के बीच से गुजर रहे 6 अवैध घरेलू कनेक्शन काटे गए। नगर निगम ने साफ किया है कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अवैध कनेक्शनों की सूचना दें और जल संरक्षण में सहयोग करें।

फ्लोराइड युक्त पानी से बच्चों के दांत पीले, युवाओं के हाथ नहीं मुड़ रहे; पीएचई ने हैंडपंपों पर लगाए लाल निशान

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● इंदौर में दूषित पानी से मौतों के बाद अब मध्य प्रदेश के खंडवा जिले का किल्लौद ब्लॉक चिंता का केंद्र बनता जा रहा है। यहां एक दर्जन से ज्यादा गांवों में लोग मजबूरी में फ्लोराइड युक्त पानी पी रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पानी ने बच्चों और युवाओं की सेहत बिगाड़ दी है। कई गांवों में बच्चों के दांत पीले पड़ गए हैं, युवाओं के हाथ ठीक से नहीं मुड़ पा रहे, वहीं इंफेक्शन, जोड़ों में दर्द और कमजोरी की शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों ने इस गंभीर समस्या को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों के अनुसार जांच के दौरान कई गांवों में पानी में फ्लोराइड की मात्रा 2.0 से 5.0 पार्ट्स पर मिलियन (~~ppm~~) पाई गई है, जबकि सुरक्षित सीमा 1.0 पीपीएम से कम मानी जाती है। अधिक फ्लोराइड के कारण क्षेत्र में डेंटल और स्केलेटल फ्लोरोसिस के लक्षण दिखाई देने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई लोगों को कम दिखने, दांत गिरने, बाल समय से पहले सफेद होने और लगातार जोड़ों में दर्द जैसी समस्याएं हो रही हैं। किल्लौद ब्लॉक के ग्राम गरबड़ी में हालात और भी गंभीर हैं। यहां नल-जल योजना के तहत जो पानी सप्लाई हो रहा है, उसमें भी फ्लोराइड की मात्रा अधिक बताई जा रही है। गांव की करीब 3 हजार की आबादी के लिए पीने के पानी का एकमात्र स्रोत एक ही बोरवेल है, जिससे पूरे गांव में सप्लाई की जाती है। ग्राम गरबड़ी के रहने वाले शिवराज सिंह सिसोदिया ने बताया कि, हमारे गांव में पानी पीने से बच्चों के दांत पीले हो रहे हैं। युवाओं के हाथों में दिक्कत है और लीवर इंफेक्शन जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। इंदौर जैसी घटना हमारे गांव में न हो, इसलिए कलेक्टर के पास शिकायत लेकर आए हैं। हमें साफ पानी चाहिए।'

सिंधु मलेशिया ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में

कुआलालंपुर (एजेंसी) ● चोटिल होकर लंबे समय बाद वापसी कर रही भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु के साथ चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज रांकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। हालांकि महिला युगल में दो जोडियां हारकर बाहर हो गईं। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधु ने वापसी पर बुधवार को 51 मिनट में चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 21-14, 22-20 से हरा दिया। सिंधु अब आठवीं वरीय जापान की तोमोका मियाजाकी से खेलेंगी। सात्विक और चिराग की तीसरी वरीय जोड़ी ने चीनी ताइपे के यांग पो ह्सुआन और ली झे-हुए को 35 मिनट में 21-13 21-15 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप से होगा।

स्टार प्लस का नया शो 'तोड़ कर दिल मेरा'

मुंबई (एजेंसी) ● स्टार प्लस का नया शो 'तोड़ कर दिल मेरा', 19 जनवरी से शुरू होगा। टेलीविजन की दुनिया में स्टार प्लस हमेशा कुछ हटकर करने के लिए जाना जाता है। हर नए शो के साथ चैनल दर्शकों को कुछ अलग दिखाने की कोशिश करता है, और अब वह अपने आने वाले शो 'तोड़ कर दिल मेरा' के साथ भी यही करने जा रहा है। इस नए शो में स्टार प्लस एक ऐसी लव स्टोरी लेकर आ रहा है, जैसी पहले कभी नहीं देखी गई, जो ताज़ा, सच्ची, ज़मीन से जुड़ी और रिलेटेबल है, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठाती है कि क्या प्यार वाकई वक्त की कसौटी पर खरा उतर पाता है। अपने नए शो 'तोड़ कर दिल मेरा' की घोषणा करते हुए स्टार प्लस ने सोशल मीडिया पर इसका प्रोमो शेयर किया।

स्टोक्स ने बनाया रिकार्ड, विलिस की बराबरी पर आये

सिडनी (एजेंसी) ● इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन दो विकेट लेने के साथ ही एक रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इसी के साथ ही स्टोक्स सबसे अधिक विकेट लेने वाले इंग्लैंड के दूसरे सफल कप्तान बन गये हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान बॉब विलिस ने ये उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान के तौर पर उनके 77 विकेट हो गये हैं। वहीं विलिस ने भी कप्तान रहते इतने ही विकेट लिए थे। ऐसे में इंग्लैंड के लिए कप्तान के तौर पर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में स्टोक्स और विलिस संयुक्त रूप से पहले और दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं, जबकि तीसरे स्थान पर रे इलिंगवर्थ हैं, जिन्होंने कप्तान के तौर पर 51 विकेट लिए थे। वहीं चौथे खिलाड़ी गबी एलेन का है, जिन्होंने 42 विकेट अपने नाम किए थे। पांचवें नंबर पर जॉनी डगलस ने 37 विकेट जबकि इयान बॉथम ने कप्तान रहते 35 विकेट लिए थे। इस मैच में स्टोक्स 27.4 ओवर फेंकने के बाद पवेलियन लौट गए। यही कारण है कि वे समय पर बल्लेबाजी के लिए भी नहीं उतरे।

ऋषभ और अय्यर विजय हजार ट्रॉफी के अंतिम लीग मैच में भी खेलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) ● आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर 08 जनवरी को होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के मैचों में भाग लेंगे। इस कारण ये दोनो ही न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए देर से जुड़ेंगे। ऋषभ गुरुवार 8 जनवरी को हरियाणा से होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के अंतिम लीग मैच में दिल्ली की कप्तानी करेंगे। इस कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए देर से जुड़ेंगे। अलूर में बीती दिवस हुए मैच में दिल्ली ने रेलवे को एलीट ग्रुप डी के मैच में छह विकेट से हराकर पहले ही क्वार्टर फाइनल में अपने जगह पक्की कर ली है। 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए खिलाड़ी मुंगलवार को ही बड़ौदा में टीम से जुड़ गये। वहीं ऋषभ विजय हजारे ट्रॉफी का अंतिम लीग मैच खेलने के बाद ही टीम से जुड़ेंगे। वहीं विराट कोहली भी दिल्ली की टीम में शामिल थे पर उन्होंने दो मैच ही खेले। वहीं चोटिल होने के कारण पिछले काफी समय से बाहर चल रहे ऋषभ इसलिए विजय हजारे ट्रॉफी खेल रहे हैं ताकि न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी लय हासिल कर लें। उन्होंने तब तक इस टूर्नामेंट के छह मैच में 42.4 की औसत और 112.76 की स्ट्राइक रेट से 212 रन बनाए हैं। दिल्ली की टीम अभी ग्रुप डी में पांच जीत के साथ 20 अंकों के साथ शीर्ष पर है। दिल्ली ने अब तक छह मैच खेले हैं और उसे केवल एक हार ओडिशा के खिलाफ मिली थी। उनके अलावा बल्लेबाज श्रेयस भी देर से टीम से जुड़ेंगे। इसका है कि वह भी विजय हजारे ट्रॉफी खेल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने मंगलवार को मुम्बई की कप्तानी करते हुए उसे हिमाचल प्रदेश के खिलाफ जीत दिलायी थी। अब वह आठ जनवरी को पंजाब के खिलाफ होने वाले अपने आखिरी लीग मैच में भी खेलने जा रहे हैं जिससे उनकी फिटनेस की एक और बार जांच हो जाये। श्रेयस अको ऑस्ट्रेलिया दौरे में आंत में चोट लगी थी जिससे कारण वह लंबे समय से टीम से बाहर रहे थे।

साई पल्लवी अब बॉलीवुड में भी धूम मचाने को तैयार

मुंबई (एजेंसी) ● एक्ट्रेस साई पल्लवी अब बॉलीवुड में भी रणबीर कपूर स्टारर फिल्म के साथ डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं। साल 2026 और 2027 में साई पल्लवी बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने की पूरी तैयारी कर रही हैं। दरअसल उनकी कई धमाकेदार फिल्में लाइन से रिलीज होने वाली हैं। इनमें से बॉलीवुड की दो पार्ट वाली माइथोलॉजिकल एपिक फिल्म रामायण से मेरे रहों तक शामिल हैं। इन फिल्मों से वे हिंदी सिनेमा में एंट्री करेंगी। उनकी अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट ये है। साई पल्लवी की मच अवेटेड फिल्मों में रणबीर कपूर स्टारर एक लार्ज स्केल माइथोलॉजिकल एपिक फिल्म रामायण पार्ट 1 है। ये फिल्म दिवाली 2026 को रिलीज होने वाली है। इस पौराणिक फिल्म में साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आएंगीं। फिलहाल ये फिल्म पोस्ट प्रोडक्शन में हैं। इसके बाद रामायण का पार्ट 2 दिवाली 2027 को रिलीज होगी। यह सीक्वल राम, सीता और रावण की गाथा को आगे बढ़ाएगा, जो भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक है।

उज्जैन संभाग

टोल कर्मचारी पर चाकू से हमला, चकरावदा टोल प्लाजा पर बिना पैसे दिए निकल रहे थे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन-नागदा रोड पर स्थित चकरावदा टोल प्लाजा पर एक कर्मचारी पर हमला हुआ है। यह घटना बुधवार को हुई, जिसमें टोल कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले की पूरी वारदात टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसके फुटेज अब सामने आए हैं। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, उन्हेल से उज्जैन की ओर जा रही एक टाटा टिगोर कार में सवार चार युवक टोल प्लाजा पर पहुंचे। उन्होंने पहले कर्मचारियों से बहस की। कुछ देर बाद कार चालक सीट पर बैठा एक युवक नीचे उतरा और टोल कर्मचारी से मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद कार की पिछली सीट पर बैठे अन्य युवक भी नीचे उतरे और टोल कर्मचारी अरुण पर चाकू से

हमला कर दिया। हमलावरों ने अन्य कर्मचारियों के साथ भी मारपीट की और फिर अपनी कार में बैठकर उज्जैन की ओर फरार हो गए।

बिना टोल दिए निकलना चाह रहे थे

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आरोपी टोल प्लाजा से बिना शुल्क दिए निकलने का प्रयास कर रहे थे। जब कर्मचारियों ने उनके वाहन को रोका तो युवक उग्र हो गए और गाली-गलौज करने लगे। विवाद बढ़ने पर उन्होंने चाकू निकालकर हमला कर दिया। इस हमले में कर्मचारी अरुण की पीठ, गर्दन और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें तुरंत उज्जैन के चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनके सिर और गर्दन पर टांके लगाए गए हैं। घटना के बाद, पीड़ित कर्मचारी की शिकायत पर भैरवगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

चाइनीज मांझे से बचने पुलिस ने प्रोटेक्टर लगाए

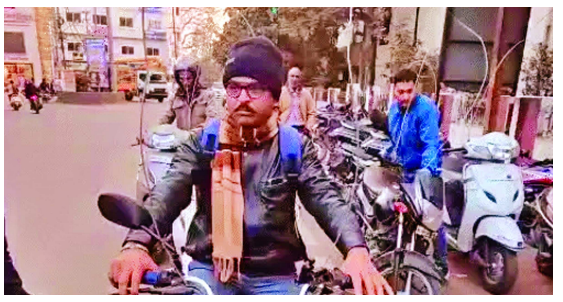

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● चाइनीज मांझे से हो रही लगातार घटनाओं को देखते हुए उज्जैन पुलिस ने दुपहिया वाहनों पर एंटी डोर प्रोटेक्टर (तार का घेरा) लगाने का अभियान शुरू किया है। यह अभियान मकर संक्रांति तक जारी रहेगा। यातायात पुलिस बुधवार को हरिफाटक चौराहे पर दुपहिया वाहनों में एंटी डोर प्रोटेक्टर लगाएगी। पिछले करीब 3 महीनों में चाइनीज मांझे से गला कटने की घटनाओं में अब तक 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। पुलिस लगातार चाइनीज मांझा बेचने और खरीदने वालों पर कार्रवाई कर रही है, लेकिन इसके बावजूद हो रही घटनाओं पर कंट्रोल पाने के लिए एसपी प्रदीप शर्मा के निर्देश पर दुपहिया वाहनों में एंटी डोर प्रोटेक्टर लगाने की मुहिम शुरू की गई है। पुलिस कंट्रोल रूम में एसपी की मौजूदगी में ट्रैफिक डीएसपी दिलीप सिंह परिहार ने अपनी टीम के साथ 50 दुपहिया वाहनों पर निशुल्क एंटी डोर प्रोटेक्टर लगाए और वाहन चालकों को इस सुरक्षा उपकरण के महत्व के बारे में जानकारी दी।

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि चाइनीज मांझे से जुड़ी घटनाओं के बाद अब तक करीब 20 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि दुपहिया वाहनों में एंटी डोर प्रोटेक्टर लगाने से गले, चेहरे और हाथों पर गंभीर चोट लगने की आशंका काफी हद तक कम की जा सकती है।

इससे पहले प्रशासन ने यह कदम उठाए

पुलिस ने नगर निगम के साथ मिलकर सभी ब्रिजों पर लोहे के तार लगाए हैं। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध लगाया है। चाइनीज मांझा बेचने के मामलों में करीब 20 लोगों को पकड़कर एक लाख रुपए का मांझा जब्त किया गया। आरोपियों का जुलूस निकाला गया और पुलिस ने व्यापारियों के यहां सघन जांच के साथ-साथ चाइनीज मांझे का उपयोग न करने को लेकर फ्लेक्स भी लगवाए। प्रतिबंधित चाइनीज मांझे से उज्जैन में एक पुजारी की गर्दन कट गई। दो घंटे चले ऑपरेशन के बाद उनकी जान बचाई जा सकी। उन्हें 10 टांके आए हैं। मूलत: राजगढ़ जिले के जीरापुर निवासी 20 वर्षीय विनय तिवारी उज्जैन के जयसिंहपुरा में किराए के मकान में रहते हैं। शाम को जब वह बाइक पर कुछ सामान लेकर घर जा रहे थे, तभी रास्ते में चाइनीज मांझा उनकी गर्दन में उलझ गया। कुछ ही देर में वे लहूलुहान हो गए।

उज्जैन-देवास रोड पर हादसा, ट्रॉले के ड्राइवर के ब्रेक लगाते ही पीछे से घुसी ट्रैक्स

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● देव दर्शन के लिए निकले श्रद्धालु मंगलवार तड़के उज्जैन-देवास रोड पर चंदेसरी बायपास ब्रिज के पास हादसे का शिकार हो गए। आगे चल रहे ट्रॉले के चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से पीछे से आ रही श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्स तूफान ट्रॉले में जा घुसी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ घायल हो गए। सभी तेलंगाना और कर्नाटक के निवासी हैं। नागझिरी थाना पुलिस के अनुसार घटना सुबह करीब 4 बजे सर्विस रोड पर महादेव सर्विस एंड वॉशिंग सेंटर के सामने हुई। मृतकों में 20 वर्षीय नरसिम्हा, 26 वर्षीय जगन्नाथ और 25 वर्षीय शिवाकुमार शामिल हैं। गंभीर घायल शिवाकुमार को इंदौर रेफर किया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घायलों को चरक अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी

गई। पुलिस ने ट्रॉला चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है।

घने कोहरे में नहीं दिखा ट्रॉला

हादसे का एक बड़ा कारण घना कोहरा रहा। ट्रैक्स तूफान में सवार केबी नरसिम्हा के अनुसार घटना के समय इतनी धुंध थी कि कुछ दूरी पर चल रही गाड़ियां भी नजर नहीं आ रही थीं। केवल दूर से लाइट दिखाई दे रही थी। कोहरे के कारण ट्रॉला नहीं दिखा और अचानक ब्रेक लगते ही गाड़ी उसमें जा घुसी।

मेला ग्राउंड पर डेरों में रहने वाले लोगों में विवाद, एक-दूसरे पर पत्थर फेंके

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● कार्तिक मेला ग्राउंड पर डेरा डालकर रहने वाले लोगों के बीच विवाद हो गया। इसके चलते दोनों पक्ष ने एक-दूसरे पर लाठियों से हमला किया और पत्थर भी फेंके। घटना की जानकारी मिलने पर तीन थानों की पुलिस पहुंची और हल्का बल प्रयोग कर विवाद कर रहे लोगों को अलग किया।

कार्तिक मेला ग्राउंड और इसके आसपास डेरा डालकर कई लोग रह रहे हैं। मंगलवार को कुछ युवक शराब के नशे में आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते विवाद ने बड़ा रूप ले लिया और दोनों पक्ष लाठियां लेकर आमने-सामने हो गए। इस दौरान महिलाओं ने भी लाठियों से वारकर पत्थर फेंके। घटना की सूचना मिलते ही महाकाल थाना पुलिस सहित तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। उस समय भी वहां विवाद चल रहा था। विवाद कर रहे लोगों को पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर खदेड़ा।

इस दौरान घायल हुए तीन लोगों को पुलिस ने अस्पताल भिजवाया। एक महिला और एक पुलिसकर्मी को भी चोट आई। मौके से पुलिस कुछ लोगों को भी थाने लेकर गई। कोतवाली सीएसपी राहुल देशमुख ने बताया शराब के नशे में डेरों में रहने वाले कुछ लोगों में विवाद हुआ था। मामले में जांच की जा रही है। हालांकि देर रात तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी।

भागीरथपुरा क्षेत्र में ओआरएस जिंक के 686 कीट वितरित किये

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई जलजनित घटना के बाद जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से किए जा रहे कार्यों से स्थिति सुधर रही है। बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने भागीरथपुरा के प्रभावित क्षेत्र में सघन दौरा किया। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने भागीरथपुरा के प्रभावित क्षेत्रों में उल्टी दस्त के जो मरीज स्वस्थ होकर लोटे थे, उनका फालोअप किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हासानी ने बताया कि बुधवार को 189 मरीजों का फालोअप किया गया। भागीरथपुरा क्षेत्र में नागरिकों को ओआरएस जिंक के 686 कीट बाटे गये। टीम ने प्रभावित क्षेत्र में प्रचार प्रसार सामग्री का वितरण किया। साथ ही नागरिकों को ओआरएस बनाने की विधि, हाथ धोने के तरीके एवं उल्टी/दस्त से बचाव एवं उपचार संबंधित सामान्य संदेशों को प्रर्दशित किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा भागीरथपुरा क्षेत्र के नागरिकों को बताया कि नर्मदा जल का वितरण पाइप लाइनों को स्वच्छ करने के लिये किया जा रहा है। इसलिये क्षेत्र के निवासी उस जल का उपयोग आगामी सूचना तक नहीं करें। इस हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा गत दिवस से आज सुबह तक मेगा माइकिंग के द्वारा संदेश प्रभावित क्षेत्र में दिया गया। कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशानुसार भागीरथपुरा प्रभावित क्षेत्र में दो एम्बुलेंस लगाई गई है। साथ ही 24×7 चिकित्सकों की ड्यूटी क्षेत्र में लगाई गई है। भागीरथपुरा क्षेत्र के प्रभावितों को एमव्हाय चिकित्सालय, अरविंदों अस्पताल तथा बच्चों को चाचा नेहरु अस्पताल में रेफर किया जा रहा है।

पूरे क्षेत्र में लगातार होता रहा ऐलान नहीं खोले नर्मदा के नल

टेस्टिंग के दौरान भागीरथपुरा में बिछाई पाइप लाइन फूटी

कलेक्टर और आयुक्त ने किया क्षेत्र में कसर और निरीक्षण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों की सच्चाई अब तक सामने नहीं आई है। प्रशासन ने मौतों का आंकड़ा 6 बताया है, वहीं 18 मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की सहायता देने के बात सामने आई है। 18 में 2 मृतकों के नाम ऐसे हैं, जो सामने नहीं आए थे। इस प्रकार कुल मृतकों की संख्या अब तक 20 हो गई है। बुधवार को भागीरधपुरा में नई बिछाई गई नर्मदा लाइन से टंकी से पानी छोड़कर टेस्टिंग की गई। इस दौरान नर्मदा की लाइन फूट गई। जहां लाइन फूटी गई है, उसे तीन दिन में डाला गया था। लाइन फूटने से टेस्टिंग पूरी नहीं हो सकी। इस कारण गुरुवार को एक बार फिर लाइन में पानी छोड़कर टेस्टिंग की जाएगी।

3 दिन में बिछाई थी नई लाइन

भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों के बाद आठ दिन पहले उद्यान में बने शौचालय को तोड़कर यह दावा किया गया था कि लाइन में ड्रेनेज का पानी वहीं से मिक्स हो रहा था, लेकिन जब बाद में भी गंदे पानी की समस्या बरकरार रही तो फिर निगम अधिकारियों ने नई लाइन बिछाने का ही फैसला ले लिया था। बस्ती में जाने वाले मार्ग पर रविवार को खुदाई कर पुरानी लाइन निकाली गई थी और सोमवार को वहां नए पाइप बिछाए गए। उन्हें जोड़ा गया और मंगलवार को गिट्टी डालकर लाइन के ऊपर रोलर चलाकर सड़क को समतल कर दिया था।

इस वितरण लाइन को भागीरथपुरा टंकी से जोड़ा गया। दोपहर में बस्ती में अधिकारी पहुंचे और टंकी से सप्लाई शुरू हुई। कुछ देर बाद गली में पानी का फव्वारा नजर आने लगा। दरअसल जल्दबाजी में डाले गए पाइप ठीक से सेट नहीं हुए थे और एक हिस्से में लाइन फूट गई। ताबड़तोड़ सप्लाई बंद की गई और जिस जगह से लाइन में लीकेज था, वहां खुदाई कर लाइन को ठीक किया गया। पुरानी लाइन जर्जर होने के कारण कमजोर हो चुकी थी, इस कारण तीन दिन में नई लाइन बिछाई गई थी।

लगातार आ रहे इलाज के लिए डायरिया के मरीज

स्वास्थ्य विभाग द्वारा बुधवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक भागीरथपुरा प्रभावित क्षेत्र के उल्टी-दस्त के मरीज अस्पतालों से स्वस्थ होकर लौट रहे हैं। उनका विभाग की टीम द्वारा फोलअप लिया जा रहा है। वहीं अभी भी क्षेत्र में डायरिया के मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी के मुताबिक बुधवार को 189 मरीजों का फॉलोअप किया गया। 686 ओआरएस, जिंक के किट बांटे गए। समाचार लिखे जाने तक डायरिया के 24 मरीज ओपीडी में इलाज के लिए आए थे, इनमें से 4 रेफलर है। अब तक विभिन्न अस्पतालों में 437 मरीज भर्ती हुए, इनमें से 381 डिस्चार्ज किए जा चुके हैं। वर्तमान में विभिन्न अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या 56 है, वहीं आईसीयू में अभी भी 9 मरीज इलाजरत हैं।

मौतों की संख्या 18 से बढ़कर 20

भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों की संख्या 18 से बढ़कर 20 हो गई है। सरकार ने हाईकोर्ट में पेश रिपोर्ट में सिर्फ चार मौतें होना माना है, जबकि 18 मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए की सहायता दी जा चुकी है। प्रशासन ने परिजन को मुआवजा देने के लिए बनाई गई सूची में बुधवार को दो नए नाम जोड़े हैं। इनमें रामकली जगदीश और श्रवण नत्यु खुपराव शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि दूषित पानी से भले ही 6 लोगों की मौत हुई है, लेकिन जहां भी मौत की सूचना मिल रही है, वहां क्रॉस चेक कर आर्थिक सहायता दी जा रही है। मौतों के आंकड़ों पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे लिए एक भी व्यक्ति की जान जाना कष्टदायक है। हम इसके आंकड़े में नहीं पड़ रहे हैं। ये अलग बात है कि प्रशासन की नजर में उनका अपना तरीका होता है। प्रशासन ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर मृतकों की संख्या तय की है, लेकिन यह फाइनल नहीं है। मुख्यमंत्री डा. यादव ने बुधवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में कहा- नगर निगम के माध्यम से भी मृत्यु-पंजीयन होता है। जो भी संख्या सामने आएगी, राज्य सरकार संबंधितों के परिजन को राहत राशि देने का काम करेगी। सरकार हर पल प्रभावितों के साथ है।

टंकी से क्लोरीरेशन जलप्रदाय की टेस्टिंग आज भी

आयुक्त सिंघल ने बताया कि जोन 4 वार्ड-11 में भागीरथ पुरा के समस्त क्षेत्र में सभी घर-घर गली गली में जा कर रहवासियों को जानकारी दी जा रही है कि नर्मदा पानी का सप्लाय टेस्टिंग के लिए किया गया। इस संबंध में निगम की टीम द्वारा घर-घर जाकर समझाइश दी जा रही और लगातार अनाउंसमेंट किया जा रहा है कि पानी के सप्लाय दौरान आपके घर की नर्मदा लाइन की टोटी को बंद ही रखे, पानी का उपयोग ना करे और क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में टैंकर से पानी का सप्लाई किया जा रहा है, टैंकर का पानी उबालकर और छान कर के ही पीने में उपयोग करे। भागीरथपुरा पानी की टंकी से क्लोरीरेशन जलप्रदाय की टेस्टिंग गुरुवार फिर की जाएगी। सिंघल ने बताया कि क्लोरीरेशन जलप्रदाय से पूरी पाइप का भी क्लोरीरेशन हो जाएगा। पानी के सेंपल की जांच सही आने के बाद ही इसे क्षेत्र की जनता के लिए खोला जाएगा।

टैंकर और आरओ का पानी ही पी रहे लोग

पूरे भागीरथपुरा में जांच के दौरान कई लीकेज मिले हैं और अभी भी नए मरीज सामने आ रहे हैं। इसके चलते पूरे क्षेत्र में डर का माहौल है और लोगों ने बोरिंग का पानी पीना छोड़ दिया है। बार-बार भरोसा दिलाने पर लोग नगर निगम द्वारा क्षेत्र में टैंकर से किए जा रहे पानी का उपयोग पीने के लिए कर रहे हैं। कुछ को इन पर भरोसा न होने के कारण आरओ का पानी इस्तेमाल कर रहे हैं। इंदौर में कलेक्टर शिवम वर्मा एवं नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा भागीरथपुरा क्षेत्र की विभिन्न बस्तियों एवं कॉलोनियों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। सुबह निरीक्षण के दौरान रेडवाल कॉलोनी, ईंट का भट्टा, बगिया रोड सहित अन्य क्षेत्रों में सीवरेज तथा नर्मदा जलप्रदाय से संबंधित लीकेज सुधार कार्यों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर क्षेत्रीय रहवासियों से जलप्रदाय की स्थिति के संबंध में फीडबैक भी लिया गया, जिस पर नागरिकों ने टैंकरों के माध्यम से किए जा रहे जलप्रदाय एवं पानी की उपलब्धता पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में टैंकरों के माध्यम से जलप्रदाय किया जा रहा है। नागरिकों से अपील की गई है कि टैंकर से प्राप्त पानी को उबालकर एवं छानकर ही पीने में उपयोग करें। प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा एहतियातन सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि क्षेत्र में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

भागीरथपुरा में 3 माह पहले विभाग संभालने वाले आईएएस रोहित सिसोनिया पर क्यों गिरी गाज

इंदौर ● इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर भागीरथपुरा में हुए गंदे पानी के कांड में मौतों के बाद बैकफुट पर आई सरकार ने एक के बाद एक अधिकारियों को हटाने, सस्पेंड करने की कार्रवाई की है। इसमें एक नाम सबसे ज्यादा उछला वह था निगम में अपर आयुक्त 2017 बैच के आईएएस रोहित सिसोनिया का।

रोहित सिसोनिया के पास जल वितरण विभाग का भी जिम्मा था। इन्हें पहले ट्रांसफर किया गया और फिर सस्पेंड के आदेश हुए। इस टेंडर की फाइल भी दो तीन माह रूकी। उसका भी एक बड़ा टेक्निकल कारण सामने आया है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भी उन्हें घेरा और भागीरथपुरा में 2.40 करोड़ की पाइपलाइन बदलने की फाइल अटकने के लिए उन्हें जिम्मेदार बताया। साथ ही कहा कि अधिकारी सुनते नहीं है। महापौर पहले भी गणेशगंज में एक कार्रवाई को लेकर उन पर नाराज थे और जांच कमेटी बना चुके थे। जब इस मामले में नगर निगम और महापौर घिरे तो उन्होंने भी बैठक

इसलिए रूकी थी टेंडर फाइल

में अधिकारियों को घेर दिया। जिस जल विभाग की बात हो रही है, वह सिसोनिया के पास पहले था ही नहीं। पहले यह विभाग किसी और अधिकारी के पास था। हाईकोर्ट में 6 जनवरी को हुई सुनवाई में याचिकाकर्ता के वकील ने यह बताया कि सिसोनिया ने भागीरथपुरा की फाइल को नवंबर 2022 से रोक रखा था, जबकि उस समय सिसोनिया इंदौर में थे ही नहीं। जहां तक इस जल विभाग की बात है, तो यह तो कुछ महीने पहले ही सिसोनिया के पास आया है। इससे पहले वह कभी इस विभाग में थे ही नहीं। वहीं, भागीरथपुरा की घटना तो 29 दिसंबर को सामने आई थी।

भागीरथपुरा में तीन साल में 10 करोड़ के काम हुए हैं और आज दो-तीन करोड़ के काम के भूमिपूजन हो रहे हैं, आगे और भी पांच करोड़ के काम होंगे। इन दस करोड़ के काम से यहां सड़क, ड्रेनेज और जल लाइन का अच्छा काम हुआ है और पार्षदों को भागीरथपुरा आकर देखना चाहिए कैसे काम हुआ है। इस अच्छे काम का सर्टिफिकेट मैं देता हूं। अब यदि फाइल रूक रही थी और अधिकारी नहीं सुन रहे थे तो फिर वहां 10 करोड़ के काम कैसे हो गए।

भागीरथपुरा में पाइपलाइन बदलने के दो चरणों में काम हुए। पहले चरण में तत्कालीन निगमायुक्त प्रतिभा पाल के समय जुलाई 2022 में 2.40 करोड़ के काम से पाइपलाइन बिछाने का टेंडर हुआ। यह फाइल 23 नवंबर 2022 को टेंडर मंजूरी के लिए जल कार्य समिति को गई और 25 नवंबर 2022 में महापौर परिषद में संकल्प क्रमांक 106 के तहत इसे पास किया गया। इस फाइल पर 3 फरवरी 2023 में तत्कालीन अपर आयुक्त के और फिर 6 फरवरी 2023 में महापौर के हस्ताक्षर हुए। इसके बाद दूसरे चरण में 2.40 करोड़ की पाइपलाइन की बात हुई। इसकी भी फाइल तैयार तो 12 नवंबर 2024 को हो गई थी, लेकिन सुस्ती के चलते चली नहीं। इसके बाद 8 अगस्त 2025 में यानी नौ माह बाद इसके लिए टेंडर हुए, जिसकी मंजूरी साढे चार माह बाद 26 दिसंबर 2025 को हुई।

भागीरथपुरा में 2.40 करोड़ से पाइपलाइन बिछाने के टेंडर 8 अगस्त 2025 को होने के बाद इसके टेंडर 15 सितंबर को ओपन होना थे, जो नहीं हुए। इसकी वजह है अमृत 2.0 प्रोजेक्ट। दरअसल भागीरथपूरा की डीपीआर अमृत 2.0 के तहत स्वीकृत होकर टेंडर स्तर की कार्रवाई प्रचलन में होकर स्वीकृती की स्टेज पर थी। ऐसे में कार्य की डुप्लीसिटी ना हो ये देखने के लिए फाइल परीक्षण में थी। जब एसएलटीसी द्वारा नियमानुसार उक्त टेंडर को फिर बुलाने के लिए निर्देशित किया तो वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी विभाग द्वारा दी गई। इस पुरानी फाइल को आगे बढ़ाते हुए 26 दिसंबर को मंजूरी दी गई। वहीं भागीरथपुरा की घटना 29 दिसंबर को सामने आई। इंदौर के भागीरथपुरा में गंदे पानी।

32 नंबर के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जा रहे बोर्ड पैटर्न पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के लिए अब 1 महीने का समय शेष बचा है। बोर्ड परीक्षाओं के अभ्यास के रूप में प्री बोर्ड परीक्षाओं को देखा जा रहा है, जो सरकारी स्कूलों में जारी है। भोपाल से इन परीक्षाओं के प्रश्न पत्र जिला शिक्षा कार्यालय के माध्यम से संकुल प्राचार्य के पास भेजे गए है। इंदौर जिले में 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में 44200 से % यादा विद्यार्थी सहभागिता कर रहे हैं। सोमवार से शुरू हुई प्री-बोर्ड परीक्षा में यह सभी छात्र शामिल हो रहे है। सुबह 11 से 2 बजे के बीच प्री बोर्ड परीक्षा हो रही है। जिला शिक्षा अधिकारी का कहना है कि बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो, इसके लिए प्री बोर्ड परीक्षा में अभ्यास स्वरूप में लिया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को परीक्षा में किसी प्रकार की कठिनाई न हो और उन्हें बेहतर तैयारियों का अवसर भी मिल सके। प्री-बोर्ड की परीक्षाएं -जारी है और इस बार वस्तुनिष्ठ प्रश्न 32 नंबर के पूछे जा रहे है। बोर्ड ने इस बार पैटर्न बदला है और वस्तुष्ठि व छोटे प्रश्नों की संख्या बढ़ाई है, ताकि छात्र ज्यादा से ज्यादा प्रश्नों के उत्तर दे सके ।

पूरे कोर्स की प्री-बोर्ड परीक्षा

एसआईआर के कारण कई स्कूलों का कोर्स पूरा नहीं हो पाया है, लेकिन प्री-बोर्ड की परीक्षाओं पूरे कोर्स की ली जा रही है, जिसके कारण कई छात्र पूरे प्रश्न पत्र को हल नहीं कर पा रहे है। उधर छात्रों का कहना है कि परीक्षाओं का समय जल्दी निर्धारित होने से तैयारी में दिक्कतें आ रही हैं।

आजाद नगर में नलों से निकल रहे कीड़े, उमंग सिंघार ने किया वाटर ऑडिट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के भागीरथपुरा कांड और शहर के अलग-अलग इलाकों से लगातार गंदे पानी की शिकायतें सामने आ रही हैं। इसी बीच मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आज वॉटर ऑडिट कराया है। सिंघार ने कहा कि गंदे पानी को लेकर लोग जागरूक नहीं हुए तो ये घटना कहीं भी हो सकती है।आजाद नगर में भी भागीरथपुरा जैसी घटना हो सकती है। इस दौरान लोगों ने भी उन्हें जानकारी दी कि नल से पानी में कीड़े निकलते हैं। हमारी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं देता है। उमंग सिंघार ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि इस क्षेत्र में लोगों को गंदा पानी पिलाया जा रहा है। कीड़े आ रहे पानी के अंदर। उन्होंने कहा कि क्या नगर निगम, महापौर, नगरीय प्रशासन मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री सोए हुए हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि तत्काल शहर वॉटर आडिट होना चाहिए। इंदौर को स्वच्छता के नाम पर कई बार पुरस्कार मिला है। आज क्यों इंदौर की जनता सोई हुई है मैं चाहता हूं कि इंदौर की जनता बाहर निकले। खुद कालोनी, मोहल्लों का आडिट करें। नहीं तो दूषित पानी से आपकी कालोनी, आपका मोहल्ला भागीरथपुरा बन जाएगी। मैं ये निवेदन करना चाहता हूं कि इस पर तत्काल कार्रवाई करना चाहिए।

मौके पर ही कराई जांच

इंदौर के आजाद नगर के मदीना नगर में निरीक्षण के दौरान उमंग सिंघार ने स्थानीय रहवासियों से बातचीत की और खुद नलों का पानी निकलवाकर देखा। मौके पर ही उन्होंने पानी के सैंपल लिए और प्राथमिक स्तर पर जांच करते हुए इसे गंभीर चिंता का विषय बताया। उनका कहना था कि यह सिर्फ मदीना नगर की समस्या नहीं है, बल्कि इंदौर के कई हिस्सों में आज भी लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।

सरकार-निगम को ठहराया जिम्मेदार

नलों से निकलने वाले पानी का रंग, गंध और उसमें मौजूद गंदगी साफ तौर पर यह संकेत दे रही थी कि हालात अब भी सामान्य नहीं है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस स्थिति के लिए सीधे तौर पर सरकार और नगर निगम को जिम्मेदार ठहराया है। सिंघार ने कहा कि बार-बार शिकायतें मिलने, लोगों के बीमार होने और कई मौतों के बाद भी यदि स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। तब यह सरकार के निकम्मेपन और प्रशासनिक लापरवाही का यह साफ प्रमाण है।

इसलिए कराया वॉटर ऑडिट

उमंग सिंघार ने कहा कि जब प्रशासन दावा कर रहा है कि पानी पूरी तरह साफ है, तो फिर नलों से गंदा पानी क्यों निकल रहा है? इसी सवाल का जवाब ढूंढने के लिए उन्हें खुद मैदान में उतरकर वाटर ऑडिट करना पड़ रहा है। सिंघार के मुताबिक यह ऑडिट किसी राजनीतिक दिखावे के लिए नहीं, बल्कि जनता के स्वास्थ्य से जुड़े गंभीर मुद्दे को उजागर करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि हालात सुधारने के बजाय सरकार जमीनी सच्चाई छुपाने में लगी हुई है।

प्रशासन के दावों के विपरित स्थिति

नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि मदीना नगर ही नहीं, बल्कि शहर के अन्य क्षेत्रों से भी दूषित पानी की लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। वाटर ऑडिट के दौरान कई जगहों पर पानी में गंदगी, बदबू और रंग में बदलाव पाया गया है। यह स्थिति प्रशासन द्वारा किए जा रहे दावों के बिल्कुल विपरीत है।

भयावह रूप ले सकता है यह संकट

उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय रहते पूरे शहर में पाइपलाइन, टंकियों और जल स्रोतों की गहन जांच नहीं की गई, तो यह संकट और भी भयावह रूप ले सकता है। खासतौर पर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार, जो बोतलबंद या टैंकर का पानी खरीदने में सक्षम नहीं हैं, सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

सरकार रिपोर्ट सार्वजनिक करें

उमंग सिंघार ने कहा कि दूषित पानी केवल असुविधा नहीं, बल्कि सीधे तौर पर लोगों की जान से जुड़ा मामला है। उल्टी-दस्त, संक्रमण और अन्य बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।